Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 89 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 09 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

बस्तर पंडुम

प्रकृति और परंपरा का उत्सव

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह जी

की गरिमामयी उपस्थिति में

समापन समारोह

9 फरवरी 2026, सोमवार - सुबह 11 बजे
स्थान : लालबाग मैदान, जगदलपुर

54,500+ प्रतिभागी कलाकार | **12** जनजातीय विधाएं

त्रि-स्तरीय आयोजन

(विकासखंड, जिला एवं संभाग)

संभाग स्तरीय आयोजन (7-9 फरवरी)

705 चयनित कलाकारों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

बस्तर पंडुम से बनी बस्तर की विशिष्ट पहचान

वेशभूषा एवं आभूषण

चित्रकला

पूजा-पद्धति

शिल्प

नाट्य

जनजातीय नृत्य

पारंपरिक व्यंजन

वन-औषधि

जनजातीय पेय पदार्थ

आंचलिक साहित्य

गीत

वाद्ययंत्र

संक्षिप्त समाचार

इंश्योरेंस मार्केटिंग प्रोफेशनल्स अकादमी और बजाज फिनसर्व के सहयोग से रोजगार सृजन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारी

राजनांदगांव। इंश्योरेंस मार्केटिंग प्रोफेशनल्स अकादमी (आईएमपीए) के तहत बजाज फिनसर्व सीएसआर (सीएसआर) के सहयोग से और रूरल अपलिफ्टमेंट फाउंडेशन के साथ मिलकर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बैंकिंग, वित्तीय प्रबंधन और बीमा क्षेत्र में स्थायी और टिकाऊ रोजगार के अवसर सृजित करना तथा सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का फोकस विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने पर रहेगा, ताकि वे बीमा और बैंकिंग क्षेत्र में सफल करियर की शुरुआत कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बीमा क्षेत्र से संबंधित तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल भी प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे रोजगार के योग्य बन सकें। इस कार्यक्रम की योजना को लेकर उमंग सेवा संस्था छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष सोमनाथ साहू और अल्वा फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. हेमशंकर जेठमल के मध्य विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कार्यक्रम के संचालन, लाभार्थियों के चयन और आगामी कार्ययोजना पर विचार.विमर्श किया गया। इस पहल के सफल क्रियान्वयन से जिले के युवाओं और महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। संगठनों का मानना है कि इस कार्यक्रम से ना केवल रोजगार की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि यह समग्र सामुदायिक विकास में भी योगदान देगा।

आसिफअली के आंदोलन का असर, अधूरे रेलवे अंडरब्रिज पर नागपुर डिवीजन के अभियंता से सीधी चर्चा

राजनांदगांव। स्टेशनपारा क्षेत्र में वर्षों से अधूरे पड़े रेलवे अंडरब्रिज निर्माण को लेकर कांग्रेस नेता आसिफ अली द्वारा किए गए आंदोलन का असर नजर आने लगा है। ज्ञापन और चक्का जाम की चेतावनी के बाद नागपुर डिवीजन से रेलवे अभियंता राजनांदगांव पहुंचे और मौके पर स्थिति का जायजा लिया। स्टेशन मास्टर बर्मन द्वारा जानकारी दिए जाने के बाद स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में कांग्रेस नेता आसिफअली की नागपुर डिवीजन के अभियंता अंशुमन शुक्ला से अंडरब्रिज निर्माण को लेकर विस्तृत और तकनीकी चर्चा हुई। इसके बाद अभियंता शुक्ला, आसिफ अली और उनके साथियों ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। अभियंता अंशुमन शुक्ला ने बताया कि अंडरब्रिज में पुशिंग का कार्य शेष है। इसके तहत रेलवे पटरी के नीचे 44 मीटर क्षेत्र में 11-11 मीटर के चार कांक्रीट बॉक्स लगाए जाएंगे। यह कार्य तकनीकी रूप से संवेदनशील है और इसे पूरा करने में करीब एक माह का समय लगेगा। इस दौरान यात्री और मालगाड़ियों की गति सीमित रखनी होगी, जिसके लिए रेलवे की विशेष अनुमति जरूरी है। चर्चा के दौरान अभियंता शुक्ला ने अंडरब्रिज निर्माण के प्रभारी वरिष्ठ अभियंता मिनेश कुमार से मोबाइल पर बात कराई। इस बातचीत में मार्च महीने से काम शुरू कर जून तक अंडरब्रिज निर्माण पूरा करने की बात कही गई। इस पर कांग्रेस नेता आसिफ अली ने साफ कहा कि यदि मार्च में काम शुरू नहीं हुआ तो चक्काजाम और उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी। इस दौरान पार्षद छोटे लाल रामटेके, विशाल गड़े, पंचराम निषाद, गोपाल सिन्हा, जितेंद्र साहू और शेख अनीश मौजूद रहे।

निधन : गुणसागर देवता

बसना सांई नगर निवासी श्री गुणसागर देवता जी का बीते दिन आकस्मिक देहावसान हो गया ।

श्री गुणसागर देवता विश्व हिन्दू परिषद जिला मंत्री बसन्त देवता के पिताजी थे।

जिनका बसना मुक्ति धाम मे विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान नगर व क्षेत्र के सामाजिक बंधु व आनुषांगिक संगठन के स्वयं सेवक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने किया अपनी कार्यकारिणी का विस्तार

मीडिया का दायित्व पुनः राजा महोबिया को

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव , प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति से तथा संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही एवं जिला प्रभारी नंदन जैन के अनुमोदन से जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कौशिक ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया है घोषित कार्यकारिणी के बारे में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि प्रवक्ता जिला सह कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल, प्रवक्ता नितेश साहू, अरुण सिंह, रजा खोखर, रितेश शर्मा, मन की बात प्रभारी संतोष सोनी, लोकमणी चंद्राकर, कंचन सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सह मीडिया प्रभारी संजय सेंगर, सोशल मीडिया जिला संयोजक रजनीश श्रीवास्तव, सहसंयोजक आदित्य चौबे, अविनाश राजपूत, आईटी सेल जिला संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत उमेश गिरी गोस्वामी जूही चंद्राकर मदन वढाई कार्यालय प्रभारी जय श्री राजपूत कार्यालय सह प्रभारी राजेश राजपूत संवाद प्रभारी विक्रम प्रताप ठाकुर संवाद प्रभारी संजय शुक्ला सूचना प्रभारी प्रीति राजपूत सूचना सह प्रभारी लेखिका अढतिया सूचना सह प्रभारी कार्य समिति सदस्य ज्योति चंद्राकर डॉक्टर मानसी गुलाटी प्रमोद नेमा रमन यादव पी एन दुबे राजेंद्र ताम्रकार खिलावन वर्मा नरेश साहू भगत वर्मा तोरण डहरिया राम खिलावन यादव माया यादव सुनीता कुर्रे सुरुचि उमरे सविता दकस शोभना पहारे संगीता सिंह रेवती सोनकर विवेक कुलश्रेष्ठ मोगरा

देशमुख नंदा साहू सोनू राम सिंह रचना डहरे अमितेश प्रताप सिंह अलका भंडारी

विशेष आमंत्रित सदस्य राजेंद्र पाध्ये विनायक नातू कांतिलाल जैन बोधन यादव आशीष निमजे रोहित साहू मनोज मिश्रा दीपक चोपड़ा अनूप सोनी दिनेश देवांगन लालेश्वर साहू सुनील अग्रवाल सुनील साहू खेमलाल साहू थानु राम साहू शिवकुमार तमेर चैनसुख भट्टर डोमार वर्मा देवेंद्र चंदेल मनोज अग्रवाल राजेश ताम्रकार सत्यनारायण शर्मा अजय तिवारी काशीनाथ शर्मा अजय वर्मा चतुर्भुज राठी डॉ राहुल गुलाटी सुरेंद्र बजाज महावीर लोढा लुकेश बघेल रत्नेश चंद्राकर संदीप जैन माया बेलचंदन अनूप गटागट खेमलाल चंद्राकर मनोज वर्मा चंद्रशेखर बंजारे कांता साहू सतीश समर्थ अशोक कंडरा अमजद अली रंग बहादुर सिंह परशुराम निर्मलकर आशुतोष दुबे मेहतर राम वर्मा सजल जैन प्रणव माहेश्वरी दिनेश देशमुख प्रशांत अग्रवाल योगेंद्र दिल्लीवार एम लक्ष्मण राव रामाधार शर्मा मनोज टावरी विजय बेगानी अनूप तिवारी प्रमोद जैन अजय ब्रह्म भट्ट अमर भोई द्वारिका साहू विद्या नामदेव मीनाक्षी महोबिया आशीष खंडेलवाल मनीष भंडारी सी एस शास्त्री महेंद्र चोपड़ा पिंदर बल डॉक्टर विकास मढारिया आनंद गौतम धनेश्वरी देशमुख 7

स्थाई आमंत्रित सदस्य सरोज पांडेय भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,गजेंद्र यादव कैबिनेट मंत्री, विजय बघेल लोकसभा सांसद जितेंद्र वर्मा भाजपा प्रदेश मंत्री विधायक ललित चंद्राकर, ईश्वर साहू, राकेश पांडेय छत्तीसगढ़ खादी ग्राम उद्योग आयोग अध्यक्ष, जितेंद्र साहू तेलघानी विकास बोर्ड आयोग अध्यक्ष, शिव चंद्राकर आर्थिक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक ,के एस चौहान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता, रमशिला साहू पूर्व कैबिनेट मंत्री, पूर्व विधायक गण डां बालमुकुंद देवांगन डां दयाराम साहू ,सांवलाराम डहरे, कांतिलाल बोथरा छत्तीसगढ़ राइस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष, उषा टावरी, चंद्रिका चंद्राकर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य है।

हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव की जिला बैठक संपन्न

राज बहादुर बने जिला सक्षम केंद्र प्रभारी, आशीष को मिली प्रचार आयाम की जिम्मेदारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव की महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक महेश्वरी भवन, रामाधीन मार्ग में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, दायित्व निर्धारण एवं समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से राज बहादुर सिंह को हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव का जिला सक्षम केंद्र प्रभारी नियुक्त किया गया, वहीं आशीष तिवारी को संगठन के प्रचार आयाम का जिला प्रमुख बनाया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दोनों दायित्वधारियों को बधाई देते हुए संगठन हित में पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

बैठक के दौरान प्रमुख वक्ताओं ने महिला सुरक्षा एवं महिला सम्मान जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करना प्रत्येक जागरूक नागरिक का कर्तव्य है और हिंदू जागरण मंच इस दिशा में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रभक्ति, देशभक्ति एवं राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि हिंदू जागरण मंच का प्रत्येक कार्यकर्ता मातृभूमि की रक्षा के लिए आवश्यक होने पर अपने प्राणों का बलिदान देने को भी सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करना समय की आवश्यकता है।

बैठक में धर्म रक्षा, स्वावलंबन एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आत्मनिर्भर समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है, इसलिए स्वदेशीए स्वावलंबन और समाज को संगठित करने के प्रयासों को और अधिक गति दी जाएगी।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का समापन राष्ट्रहित एवं धर्मरक्षा के संकल्प के साथ किया गया। हिंदू जागरण मंच के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित हुई।

बैठक में प्रमुख रूप से सुशील लड्ढा, प्रवीण शर्मा, सविता बोस, प्रभात गुप्ता, राजा मौसमी शर्मा, हेमलाल ढीमर, मिथिलेश चंदेल, जुगल किशोर गुप्ता, विद्या यादव, मनोज मालू, राज सोनकर, गोविंद साहू, महेंद्र जंघेल, आनंद गुप्ता, राजू सोऊ, आशीष कुमार स्वर्णकार, रोहित तिवारी, संतोष टूरहते, श्रेयांश व्यास, हरीश भानुशाली, कांति मौर्य, श्रीमती जनक गुप्ता, ममता शर्मा, माया शर्मा, मंजू यादव, गायत्री गौतम, मुनमुन पोरिया, संगीता शुक्ला, चंदा शाह, रिमझिम भौमिक, प्रतीक श्रीवास्तव, मुकेश सोनी, मनोज गोलछा, सुरेश यादव, भोला यादव, विकास साहू, जितेंद्र चौबे, रोहित शर्मा, राकेश श्रीवास, प्रियंका भट्टड़, प्रीती जोशी, रंजना शर्मा, सविता जोशी, दीपिका चौरसिया, कमलेश वैष्णव, सुधांशु चटर्जी, गोविंद जोशी, उषा चटर्जी, कृष्ण कुमार तिवारी, रिंकू तिवारी, गोवर्धन खंडेलवाल, विष्णु सिन्हा, बंटी साहू, राजकुमार सिन्हा, सुनिता सिन्हा, अभय सिन्हा, हेमंत कश्यप, लक्ष्मण सिंह साहू, राजेश खंडेलवाल एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ऐसे आयोजन खेल प्रतिभाओं को निखारने में सहायक सिद्ध हो रहा है-स्वप्निल

पिथौरा (समय दर्शन)। शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस मैच का शुभारंभ भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी के प्रमुख आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला कोषाध्यक्ष परमित सिंह ,निशू माटा विधायक प्रतिनिधि ,सुमित अग्रवाल युवा मोर्चा महामंत्री, सौरभ अग्रवाल विधायक प्रतिनिधि, सुरेंद्र मुन्नू पांडे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया।

उपस्थित खिलाड़ियो को संबोधित करते हुवे मुख्य अतिथि की आसंदी से भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने कहा कि पिथौरा का नाम हमेशा से विभिन्न गतिविधियों एवं आयोजनों के नाम से जाना जाता है ।

इस कड़ी में अब यह जिला स्तरीय ड्यूज बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का नाम भी अंकित हो गया है।आयोजन समिति इस आयोजन के लिये बधाई के पात्र हैं निश्चित ही ऐसे आयोजन लगातार खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में मिल का पत्थर साबित हो रहे हैं ,जिसके परिणाम स्वरूप खेल प्रतियोगिताओ में ग्रामीण खिलाड़ियो की सहभागिता लगातार बढ़ रही है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और दर्शकों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। मैदान पर सुबह से ही दर्शकों की भीड़ उमड़ने लगी थी। प्रतियोगिता में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया, जहां खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से आयोजन समिति के कौशलदास मानिकपुरी ,चिरंजीव सिन्हा, डोलामणि अंजय सिंहा, भोजराज डड़सेना ,पोलेश मिश्रा, राहुल यादव, विकास डड़सेना ,अविनाश पटेल, सैलेन्द्र डड़सेना, रोमन साहू सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं दर्शक उपस्थित थे।

घृणा नहीं समभाव, यही अघोर का सत्य : हरीश यादव

शक्तिधाम महाकाली मंदिर में शक्तिधाम अघोर शोध एवं जनकल्याण आश्रम का भूमिपूजन

राजनांदगांव। शहर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित बाबूटोला क्षेत्र में शक्तिधाम महाकाली मंदिर परिसर में शक्तिधाम अघोर शोध एवं जनकल्याण आश्रम का भूमि पूजन गुरूदेव हरीश यादव के आशीर्वाद एवं सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और संस्था से जुड़े सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान गुरूदेव हरीश यादव ने कहा, यह आश्रम समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यहां न केवल अघोर साधना होगी, बल्कि यह स्थान जनकल्याण के कार्यों को भी बढ़ावा देगा। आश्रम का उद्देश्य लोगों को शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शांति प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कदम है, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि समाज कल्याण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम सभी को इस तरह के प्रयासों को समर्थन देना चाहिए जो समाज में शांति और समृद्धि लाने का काम करें।

सर्व छत्तीसगढ़िया समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु ने इस अवसर पर कहा, यह आश्रम समाज के विकास के लिए एक बड़ा कदम है। यह हमारे छत्तीसगढ़ की संस्कृति को संजोने और समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करेगा।

भूमिपूजन कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार सहित नगर के कई प्रमुख लोग, स्थानीय जन, श्रद्धालु और संस्था से जुड़े सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन सभी ने एकजुट होकर आशीर्वाद और शुभकामनाओं के साथ किया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में अनुशासन पर सवाल, शिक्षिकाओं के वायरल वीडियो से मचा विवाद

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में पदस्थ कुछ शिक्षिकाओं के दो वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में शिक्षिकाएं विद्यालय परिसर के भीतर कैटवॉक करती दिखाई दे रही हैं, वहीं दूसरे वीडियो में विद्यालय परिसर में एक शिक्षक के दामाद का स्वागत किया जा रहा है। इन घटनाओं के सामने आने के बाद विद्यालय की गरिमा, शैक्षणिक वातावरण और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे शैक्षणिक मर्यादा और आचरण नियमों का उल्लंघन बताया है। अभिभावकों का कहना है कि जिस परिसर में बच्चों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिक बनने की शिक्षा दी जाती है, उसी परिसर में इस प्रकार की गतिविधियां होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

अभिभावकों ने चिंता जताई कि शिक्षकों का व्यवहार विद्यार्थियों के लिए आदर्श होता है। यदि शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय समय और परिसर में इस तरह की गतिविधियों में लिप्त रहेंगी, तो बच्चों के

मानसिक विकास और शैक्षणिक अनुशासन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है।

कानूनी और प्रशासनिक नियमों की अनदेखी का आरोप- शिक्षा से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, विद्यालय सेवा आचरण नियम तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act) के तहत विद्यालय में सुरक्षित, अनुशासित और शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विद्यालय परिसर का उपयोग किसी भी प्रकार की निजी गतिविधि, मनोरंजन या गैर-शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए करना नियमों के विपरीत माना जाता है।

अभिभावकों का आरोप है कि वायरल वीडियो प्राचार्य की अनुपस्थिति में बनाए गए, जिससे यह संकेत मिलता है कि विद्यालय में आंतरिक अनुशासन कमजोर हुआ है। वीडियो में उप-प्राचार्य की उपस्थिति भी दिखाई देने की बात कही जा रही है, जिससे प्रशासनिक जिम्मेदारी पर और सवाल खड़े हो रहे हैं।

पूर्व विवाद से जुड़ता मामला- उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व इन्हीं शिक्षिकाओं द्वारा विद्यालय की प्राचार्य के विरुद्ध मोर्चा खोले जाने की भी चर्चा रही है। प्राचार्य वर्षों से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन को सख्ती से बनाए रखने के लिए जानी जाती हैं। एक अभिभावक ने आरोप लगाया कि अनुशासनात्मक नियंत्रण के कारण ही कुछ शिक्षिकाएं असंतुष्ट थीं और अब लगातार ऐसी गतिविधियां सामने आ रही हैं।

सहशिक्षा विद्यालय में विशेष सतर्कता आवश्यक- यह विद्यालय सहशिक्षा प्रणाली पर आधारित है, जहां बालक और बालिकाएं एक साथ अध्ययन करते हैं। ऐसे में शिक्षकों का आचरण, व्यवहार और सार्वजनिक गतिविधियां विद्यार्थियों पर सीधा प्रभाव डालती हैं। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय में अनुशासन तभी तक कायम रहता है, जब तक नेतृत्व और शिक्षक स्वयं नियमों का पालन करें।

जांच की मांग- अभिभावकों और जागरूक नागरिकों ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, वायरल वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि, तथा यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल, इस पूरे प्रकरण पर विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

सोमवार 09 फरवरी 2026

www.samaydarshan.in

रायपुर प्रेस क्लब की इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता में पत्रकार खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

खेल मड़ई बना स्वास्थ्य और सौहार्द का मंच - मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। पत्रकारों की व्यस्त दिनचर्या के बावजूद खेलों के प्रति उनका उत्साह सराहनीय है। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित खेल मड़ई को प्रेरणादायक पहल बताते हुए सभी आयोजकों और प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएं दीं।

रायपुर प्रेस क्लब द्वारा स्वर्गीय कुलदीप निगम की स्मृति में खेल मड़ई के अंतर्गत नेताजी सुभाष स्टेडियम, रायपुर में इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पत्रकार जगत की विभिन्न टीमों के बीच उत्साहपूर्ण और रोमांचक मुकाबले खेले जा रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य पत्रकारों को उनकी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर खेलों से जोड़ना, आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मैदान में पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग ले रहे पत्रकार खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी सहयोग, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी, महासचिव श्री गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष श्री दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष श्री दिनेश यदु, सहसचिव श्रीमती निवेदिता साहू एवं श्री भूपेश जांगड़े, खेल आयोजन समिति के संयोजक श्री विजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित रहे।

ऑनलाइन फाइनेंस और प्री अप्रूव्ड लोन की आड़ में MG रोड चौपाटी के व्यवसायियों से लाखों की ठगी

रायपुर । रायपुर कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन अंतर्गत रूद्र रोड क्षेत्र में ठेले लगाने वाले एवं छोटे व्यवसायियों को निशाना बनाकर ऑनलाइन फाइनेंस एप्लीकेशनों के माध्यम से प्री अप्रूव्ड लोन का अनचाहा एक्सेस कर सुनियोजित तरीके से लाखों रुपये की ठगी करने वाले युवक को मौदहापारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध थाना मौदहापारा में अपराध क्रमांक 28/26 धारा 318 (4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध है । गिरफ्तार आरोपी का नाम मुदित पाठे उर्फकृष पवार, उम्र 19 वर्ष, पिता विजय कुमार पाठे, निवासी बाजार चौक, छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) है। आरोपी दसवीं पास है तथा पढ़ाई छोड़ने के बाद फाइनेंस सेक्टर में कार्य करने की इच्छा लेकर रायपुर आया था। आरोपी के बताए अनुसार, वह रायपुर के गुढियारी क्षेत्र में पहले किराए से रहा फिर डोरमेट्री में ठहरकर ठेले वालों एवं छोटे व्यापारियों से धीरे-धीरे मेलजोल बढ़ाता था। विभिन्न ऑनलाइन फाइनेंस, कैशबैक एवं इन्वेस्टमेंट ऐप्स से बेस्ट कैशबैक, प्रोमो कोड एवं रेफरल कोड की जानकारी प्राप्त कर वह प्रारंभ में पीड़ितों को वास्तविक लाभ दिलवाता था, जिससे उनका विश्वास अर्जित हो सके। आरोपी के कथनानुसार, विश्वास कायम होने के बाद उसे पीड़ितों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल फोन एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों तक पहुंच मिली। प्रारंभिक चरण में वह लोन प्रक्रिया में सहायता कर प्रोसेसिंग फीस माफ होने जैसे लाभ दिलवाने की बात कर पीड़ितों की आवश्यकता में मदद करता रहा, जिससे पीड़ितों को किसी प्रकार का संदेह न हो। इसके पश्चात आरोपी के बताए अनुसार, उसने विभिन्न फाइनेंस एप्लीकेशनों के माध्यम से पीड़ितों के नाम पर प्री-अप्रूव्ड लोन स्वीकृत कराए तथा प्राप्त राशि को अपने ऑनलाइन वॉलेट एवं अन्य खातों में चैनलाइज किया गया। आरोपी के कथनानुसार, उसके पिता पूर्व में इंश्योरेंस क्षेत्र में कार्यरत थे तथा कोरोना काल के बाद आर्थिक रूप से कमजोर हो गए थे। इसके बाद आरोपी ने दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी और ऑनलाइन ऐप्स व पोर्टल के माध्यम से फाइनेंस एवं निवेश से संबंधित जानकारी हासिल की। आरोपी के बताए अनुसार, उसका उद्देश्य ठगी से एकत्र की गई राशि से अपने मूल निवास sthan में मोबाइल दुकान स्थापित करना था। प्रकरण संज्ञान में आते ही डीसीपी सेंट्रल जोन उमेश प्रसाद गुप्ता और एडिशनल डीसीपी तारकेश्वर पटेल ने स्वयं साक्षियों, आवेदकों और आरोपी से पूछताछ की और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए मामले में मार्गदर्शन दिया एवं निरीक्षक मुकेश शर्मा के नेतृत्व में मौदहापारा पुलिस ने सतर्कता पूर्वक कार्रवाई करते हुए आरोपी को ट्रेन से फरार होने से ठीक पहले गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि आरोपी एक दर्जन से अधिक फाइनेंस एवं इन्वेस्टमेंट एप्लीकेशनों का उपयोग कर रहा था। एसीपी कोतवाली दीपक मिश्रा के सुपरविजन में प्रकरण में अब तक आरोपी युवक से दर्जनभर बैंक काड्र्स क्रेडिट कार्ड, पासबुक , चेकबुक तथा मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

जिनमें आरोपी द्वारा ठगी के पैसों को विभिन्न वॉलेट के जरिए चैनलाइज किया गया था। वर्तमान में मौदहापारा पुलिस द्वारा आरोपी के ऑनलाइन वॉलेट, बैंक खातों, मोबाइल फोन एवं संबंधित एप्लीकेशनों की विस्तृत जांच की जा रही है तथा अन्य मामलों में उसकी संलिप्तता की संभावना को लेकर भी विवेचना जारी है। प्रकरण के खुलासे और भाग रहे आरोपी को घेराबंदी कर हिरासत में लेने में थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश शर्मा, थाना मौदहापारा एवं एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट रायपुर की उल्लेखनीय भूमिका रही

' जल, जंगल, जमीन, खनिज, नदियों का जल सब कुछ बस्तर का, लेकिन डबल इंजन सरकार में बस्तरिहा के लिए कुछ भी नहीं- कांग्रेस

रायपुर :- डबल इंजन सरकार पर कॉर्पोरेट परस्ती का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकारों का फोकस केवल संसाधनों की लूट पर है, जंगल और खनिज संसाधन ही नहीं छत्तीसगढ़ के नदियों पर भी भाजपा सरकार के पूंजीपति मित्रों की बुरी नजर लग गई है। बस्तर के नदी, नालों के पानी के सहारे अब तक करोड़ों टन लौह अयस्क ले जाया जा रहा है। किरन्दूल स्थित एनएमडीसी की खदानों से रोज़ाना औसतन 20 हज़ार टन लौह अयस्क चूर्ण स्लरी पाइप लाइन के जरिए अपने विशाखापटनम स्थित निजी स्टील प्लांट ले जाया जा रहा है। बस्तर की शबरी नदी और दंतेवाड़ा के मदाड़ी नाले के हज़ारों क्यूसेक पानी का उपयोग रोज़ाना इस परिवहन में किया जा रहा है। इस कंपनी के किरंदुल स्थित बेनिफिक्रेशन प्लांट से बस्तरवासियों को कोई लाभ तो नहीं मिला, लेकिन इस प्लांट से निकलने वाले लौह अयस्क के अपशिष्ट से दंतेवाड़ा जिले की हजारों एकड़ कृषि भूमि बंजर जरूर हो चुकी और नदी नाले प्रदूषित हो चुके हैं। नदी नालों के साथ ही शुद्ध पेयजल का भी दुरूपयोग हो रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के असंतुलित दोहन से बस्तर के लोगों को पर्यावरण का भयानक नुकसान हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सारे संसाधन हमारे, वन यहां के कांटे जा रहे हैं, खनिज और पानी यहां का, लेकिन प्लांट आंध्रप्रदेश में होने के कारण जीएसटी और केंद्रीय करों में राज्यांश का लाभ छत्तीसगढ़ को नहीं, आंध्र प्रदेश को? रोज़गार के अवसर भी आंध्रा के लोगों को उपलब्ध हो रहे हैं। पहले फेज़ में 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा और दूसरे फेज़ में अतिरिक्त 35 हज़ार लोगों को रोज़गार मिलेगा। अर्थात इस प्लांट से कुल 55 हज़ार लोगों को रोज़गार मिलेगा, लेकिन इसमें छत्तीसगढ़ के युवाओं की हिस्सेदारी नहीं होगी। बस्तर के जिन गरीब आदिवासियों के जल, जंगल और ज़मीन के सहारे मोटा मुनाफा कमाने की आंध्रप्रदेश में तैयारी की जा रही है। उन आदिवासियों के साथ हो रहे इतने बड़े धोखे पर भाजपा की सरकार मौन है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि डबल इंजन सरकार के संरक्षण में ही विश्व की दूसरी सबसे बड़ी स्टील निर्माता कंपनी जो अब तक केवल बस्तर के पानी और लोहे से अरबों रुपयों का मुनाफा कमा चुकी है, उसके पास बस्तरवासियों को देने के लिए कुछ भी नहीं है। कई बेरोज़गार नौजवानों ने परिवहन का काम मिलने की आस में ट्रकें खरीदीं, लेकिन उनके अपेक्षाओं पर पानी फेरकर शबरी नदी के जल का दुरूपयोग करके स्लरी पाईप से लौह अयस्क का परिवहन किया जा रहा है। भाजपा की सरकार में बस्तर वासियों के साथ छल किया है। यदि प्लांट छत्तीसगढ़ में लगता तो हजारों स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता, सारे संसाधन हमारे हैं और लाभ अन्य प्रदेश के लोगों को मिलेगा।

महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गत 24 घंटों में थाना गंज पुलिस की संवेदनशील व त्वरित कार्रवाई

रायपुर । रायपुर कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन अंतर्गत थाना गंज पुलिस द्वारा विगत 24 घंटों के दौरान महिला एवं बालिका संबंधी अपराधों में त्वरित, संवेदनशील एवं विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उल्लेखनीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। थाना गंज पुलिस ने न केवल गंभीर अपराधों में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की, बल्कि पीड़ित महिलाओं एवं परिजनों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण, गोपनीयता और विश्वास को प्राथमिकता देते हुए कार्यवाही की।

महिला संबंधी गंभीर अपराधों में त्वरित गिरफ्तारी

थाना गंज में दर्ज अलग-अलग महिला संबंधी अपराधों में प्राप्त शिकायतों पर तत्परता से संज्ञान लेते हुए पुलिस द्वारा तकनीकी एवं पारंपरिक पतासाजी के माध्यम से आरोपियों को 24 घंटे के भीतर चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया।

इन मामलों में आरोपीगण द्वारा पीड़िता को विवाह का झांसा देकर शारीरिक शोषण किए जाने जैसे गंभीर आरोप शामिल थे, जिन पर पुलिस ने संवेदनशीलता के साथ साक्ष्य संकलन कर विधि अनुसार कार्रवाई की।

अंतर-जिला समन्वय से आरोपी गिरफ्तार एक प्रकरण में आरोपी के जिले से बाहर होने की जानकारी मिलने पर थाना गंज पुलिस द्वारा तत्काल टीम गठित कर अंतर-जिला समन्वय के माध्यम से आरोपी को रायगढ़ जिले से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

घरेलू विवाद में महिला सुरक्षा सुनिश्चित

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े एक अन्य प्रकरण में महिला के साथ मारपीट की सूचना पर थाना गंज पुलिस द्वारा तत्काल मामला दर्ज कर त्वरित गिरफ्तारी की गई, जिससे महिला की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकी।

अपहृत बालिका को 24 घंटे में सुरक्षित दस्तयाब थाना गंज क्षेत्र से एक नाबालिग बालिका के बिना बताए घर से चले जाने की सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सघन तलाश अभियान चलाया गया। परिणामस्वरूप बालिका को 24 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद कर उसके कथन उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस दौरान बालिका की मानसिक स्थिति एवं गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा गया।

थाना गंज पुलिस की यह कार्रवाई यह दर्शाती है कि रायपुर कमिश्नरेट में महिला सुरक्षा केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी के रूप में निभाई जा रही है। कम समय में परिणाम, पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण एवं गोपनीयता का पालन करने का प्रयास किया गया ।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में फिर बढ़ेगी ठंड, 48 घंटों में तापमान 2-3 डिग्री गिरने के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में प्रदेश के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे सुबह और रात के समय ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

बीते 24 घंटों में प्रदेशभर में मौसम शुष्क बना रहा। तापमान में गिरावट के बाद अगले कुछ दिनों तक मौसम में किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं। अधिकतम तापमान अगले सात दिनों तक लगभग स्थिर रहने का अनुमान है। राजधानी रायपुर में 8 फरवरी की सुबह हल्की धुंध छाए रहने की संभावना है, जबकि दिन में मौसम साफ रहेगा। यहां अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। ठंड बढ़ने के कारण लोगों ने फिर से गर्म कपड़ों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक रायपुर संभाग के कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, हालांकि तेज बारिश के आसार नहीं हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। अंबिकापुर फिलहाल सबसे ठंडा क्षेत्र बना हुआ है, जहां तापमान 11.5 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि राजनांदगांव 31.5 डिग्री के साथ सबसे गर्म स्थान रहा।

चुनाव आयोग सुनिश्चित करे कि फार्म-7 का दुरुपयोग नहीं हो - दीपक बैज

रायपुर :- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा एसआईआर प्रक्रिया को प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाकर गड़बड़ियां कर रहा है। वर्तमान में चल रही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के अंतर्गत फार्म-7 (मतदाता नाम विलोपन हेतु आवेदन) का कई जिलों में दुरुपयोग किया जा रहा है। यह अत्यंत चिंताजनक विषय है, क्योंकि इससे पात्र एवं वास्तविक मतदाताओं के नाम बिना जानकारी, सहमति के मतदाता सूची से हटाए जाने की साजिशे चल रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी द्वारा बड़ी संख्या में फार्म-7 का प्रिंट करवाकर आपत्ति करवाया जा रहा है। आपत्ति अनाधिकृत लोगों द्वारा किया जा रहा है और अनाधिकृत अधिकारी को आपत्ति दिया जा रहा है, जो कानून का खुला उल्लंघन है। भारतीय जनता पार्टी, सरकार के शक्ति का दुरुपयोग किया जा रहा है। अधिकांश में शिकायतकर्ता का अस्तित्व ही नहीं है, जहां शिकायतकर्ता का अस्तित्व है, वहां पर शिकायत झूठी है। निर्वाचन आयोग द्वारा अस्तित्वहीन शिकायतकर्ता के विरूद्ध जाकर जमा की गयी शिकायतों को तत्काल निरस्त करने की कार्यवाही किया जाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कुछ राजनीतिक अथवा असामाजिक तत्वों द्वारा फर्जी अथवा सामूहिक रूप से फार्म-7 भरकर मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया जा रहा है, इसकी जांच की जानी चाहिए। कई मामलों में संबंधित मतदाता को पूर्व सूचना या सुनवाई का अवसर नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीण, आदिवासी, प्रवासी मजदूर, वृद्ध एवं अशिक्षित मतदाता इस दुरुपयोग के सर्वाधिक शिकार बन रहे है। बीएलओ स्तर पर भी उचित सत्यापन के अभाव में फार्म-7 स्वीकार किए जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यदि फार्म-7 के माध्यम से मनमाने ढंग से नाम हटाए जाते है, तो यह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर आघात होगा। चुनाव आयोग सुनिश्चित करे कि फार्म-7 के प्रत्येक आवेदन पर अनिवार्य भौतिक सत्यापन एवं स्पष्ट कारण दर्ज करना अनिवार्य किया जाए। संबंधित मतदाता को लिखित, डिजिटल सूचना देकर सुनवाई का अवसर प्रदान किए बिना नाम विलोपन न किया जाए। सामूहिक अथवा संदिग्ध रूप से भरे गए फार्म-7 आवेदनों की विशेष जांच कराई जाए। बीएलओ एवं निर्वाचन अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाएं कि बिना पुख्ता प्रमाण के फार्म-7 स्वीकार न करे। फार्म-7 के दुरुपयोग की शिकायत हेतु त्वरित शिकायत निवारण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मान. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप लॉजिकल एरर को आधार मानकर दिये गये नोटिस वैद्य नहीं है। अत: छत्तीसगढ़ में ऐसे सारे नोटिस को निरस्त किया जाए।

3100 रु धान की कीमत एक मुश्त नही मिला जबरिया रकबा समर्पण कर कम धान खरीदी की गई

रायपुर :- भाजपा सरकार पर धान खरीदी में किसानों के साथ तानाशाही करने का आरोप लगाते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा भाजपा सरकार किसान विरोधी है मोदी की गारंटी 3100 रु प्रति क्विंटल एक मुश्त 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी का दावा झूठा निकला चालू खरीफ सीजन में धान बेचने किसानों को प्रताड़ित होना पड़ा। न 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की गई न ही धान बेचने वाले किसानों को 3100 रु क्विंटल की दर से एक मुश्त भुगतान किया गया। आज भी लाखों किसान धान बेचने से वंचित है। सरकार की नीयत में खोट थी इसलिए पहले 16 लाख से अधिक किसानों के 5 लाख 25 हजार एकड़ कृषि भूमि का धान बेचने पंजीयन ही नही किया गया। फिर धान बेचने पंजीकृत किसानों की 5 लाख 31 हजार394 एकड़ भूमि को बिना सहमति रकबा सरेंडर कर 1करोड़ 11 लाख 59 हजार 253 क्विंटल धान की खरीदी नही की गई। धान बेचने पंजीकृत 2 लाख से अधिक किसानों से धान की खरीदी नही की गई। सरकार का लक्ष्य 165 लाख मीट्रिक टन धान खरीदना था जिससे लगभग 25 लाख मीट्रिक टन धान की कम खरीदी की गई।

संपादकीय

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

भारत को आत्मनिर्भर होना होगा

हरिशंकर व्यास

जैसे ही यूरोपीय संघ के साथ एक व्यापार संधि फाइनल होने की बात आई वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत की और नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि जल्दी ही दोनों देशों के बीच एक अच्छी व्यापार संधि होगी। यह भारत के लिए आदर्श स्थित है कि वह भयंकर व्यापार घाटे वाले देश से व्यापार मुनाफे वाले देश में अपने को बदले। लेकिन इसके लिए ऐतिहासिक रूप से भारत ने तैयारी नहीं की। हमारे यहां इस बात पर पीठ थपथपाई जा रही है कि भारत सबसे ज्यादा मोबाइल हैंडसेट निर्यात करने वाला देश बन गया है। सोचें, यह क्या उपलब्धि हुई? भारत अपना एक भी हैंडसेट नहीं बनाता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के समय भारत की घरेलू हैंडसेट कंपनियां लावा और माइक्रोमैक्स का भारत के बाजार पर कब्जा था। लेकिन दो साल के भीतर ये कंपनियां गायब हो गई हैं और चीन की मोबाइल कंपनियों ने भारत के बाजार पर कब्जा कर लिया। भारत आज अमेरिका कंपनी एपल के आईफोन और दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के हैंडसेट असेंबल करता है और उन्हें दुनिया के देशों में बेचा जाता है। सोचें, इसमें भारत के कुछ लोगों को नौकरी मिली है, इसके अलावा भारत को क्या हासिल हो रहा है!

असल में भारत असेंबलिंग का सेंटर बनता जा रहा है। दुनिया की कंपनी भारत में सस्ता श्रम और दूसरी चीजें हासिल कर रही हैं और अपना उत्पाद असेंबल करके दुनिया में बेच रही हैं। भारत के पास न तो अपनी तकनीक है और न अपना कोई उत्पाद है। तभी इस बात की आशंका है कि दुनिया के देशों के साथ मुक्त व्यापार की संधि होने के बाद भारत का व्यापार घाटा कहीं और न बढ़ जाए। अभी अकेले चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का व्यापार घाटा है।

दुनिया के चुनिंदा देशों के साथ ही भारत व्यापार में मुनाफा कमाता है। अमेरिका उनमें से एक है। अगर भारत अपने यहां विनिर्माण सेक्टर को मजबूत नहीं करेगा, उत्पादन नहीं शुरू करेगा, शोध व विकास पर खर्च करके नई चीजें बनाना नहीं शुरू करेगा तो क्या बेचेगा? दुनिया के देशों के पास तो बेचने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। भारत तो दूसरे देशों से खरीद कर बेचने वाला देश बन गया है। यहां बनना कैसे शुरू होगा? पहले जो लघु व कुटीर उद्योग भारत में चलते थे उनमें से ज्यादातर बंद हो गए। छोटी छोटी फैक्टरी चलाने वाले सारे लोग व्यापारी बन गए। वे चीन या दूसरे देशों में जाकर सामान लाते हैं और भारत में बेचते हैं।

जब तक निर्माण का काम शुरू नहीं होगा, तब तक व्यापार संधियों का बहुत लाभ भारत को नहीं मिलेगा। इसके लिए भारत को पहले अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होना होगा। जैसे हरित क्रांति से अनाज के मामले में और श्वेत क्रांति से दूध के मामले में भारत आत्मनिर्भर हुआ वैसे ही किसी क्रांति के जरिए चीन के ऊपर से निर्भरता हटानी होगी और तब दुनिया को निर्यात करने के बारे में सोचना होगा।

संसद की गरिमा को बचाने की ज़रूरत

प्रो. संजय द्विवेदी

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मर्यादाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मर्यादाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है।

इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मर्यादाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं।

दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन करके हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मर्यादाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे। संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

अजीत द्विवेदी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गईं और बहुत बड़ी बन गईं।

बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है। उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी। उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ पांच सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं। सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा। उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। भी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है। नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा। लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा। इस साल होने वाला पांच राज्यों का चुनाव उनके लिए परफेक्ट मौका है। उनकी पुरानी कंपनी आईपैक का करार अब भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ है। हालांकि आईपैक के साथ अब उनका जुड़ाव नहीं है। लेकिन उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके से करार किया है और उनको चुनाव लड़वा रहे हैं।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता: मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता: विश्व के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्र का निर्माण

श्री राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की।

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे।

सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता: भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है। इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है। उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं। इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है।

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना: समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापार मूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत नि:शुल्कच प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकला और समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि, भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है। सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है, जिसमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणालियों जैसे यूपीआई में तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग शामिल है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है। मुक्त और न्यायसंगत व्यापार को बढ़ावा देना: मुक्त व्यापार समझौता दो बड़े बाजारों के बीच मुक्त, न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। व्यापार और सतत विकास अध्याय सतत विकास संबंधी चिंताओं के संदर्भ में सहयोग का एक नया मॉडल प्रस्तुत करता है। यह अध्याय दोनों पक्षों के श्रम या पर्यावरण मानकों में तालमेल बिठाये बिना दोनों पक्षों के व्यापार संबंध में सतत विकास के उद्देश्य को समग्र रूप से एकीकृत करता है। इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं। असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया। भारत की एफ्टीए रणनीति का पूरक: आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफ्टीए, ईएफ्टीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। जैसा कि आर्थिक इतिहासकार उल्लेख करते हैं, आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं।)

इस तरह हुई थी हनुमानजी की भगवान श्रीराम से पहली भेंट

हनुमानजी सुग्रीव आदि वानरों के साथ ऋष्यमूक पर्वत की एक बहुत ऊंची चोटी पर बैठे हुए थे। उसी समय भगवान श्रीरामचंद्रजी सीताजी की खोज करते हुए लक्ष्मणजी के साथ ऋष्यमूक पर्वत के पास पहुंचे। ऊंची चोटी पर वानरों के राजा सुग्रीव ने उन लोगों को देखा। उसने सोचा कि ये बालि के भेजे हुए दो योद्धा हैं, जो मुझे मारने के लिए हाथ में धनुष-बाण लिये चले आ रहे हैं। दूर से देखने पर ये दोनों बहुत बलवान जान पड़ते हैं। डर से घबराकर उसने हनुमानजी से कहा- हनुमान! वह देखो, दो बहुत ही बलवान मनुष्य हाथ में धनुष-बाण लिये इधर ही बढ़े चले आ रहे हैं। लगता है, इन्हें बालि ने मुझे मारने के लिए भेजा है। ये मुझे ही चारों ओर खोज रहे हैं। तुम तुरंत तपस्वी ब्राह्मण का रूप बना लो और इन दोनों योद्धाओं के पास जाओ तथा यह पता लगाओ कि ये कौन हैं। यहां किसलिये घूम रहे हैं। अगर कोई भय की बात जान पड़े तो मुझे वहीं से संकेत कर देना। मैं तुरंत इस पर्वत को छोड़कर कहीं और भाग जाऊंगा।

डर गये सुग्रीव

सुग्रीव को अत्यन्त डरा हुआ और घबराया हुआ देखकर हनुमानजी तुरंत तपस्वी ब्राह्मण का रूप बनाकर भगवान श्रीरामचंद्र और लक्ष्मणजी के पास जा पहुंचे। उन्होंने दोनों भाइयों को माथा झुकाकर प्रणाम करते हुए कहा, प्रभो! आप लोग कौन हैं? कहां से आये हैं? यहां की धरती बड़ी ही कठोर है। आप लोगों के पैर बहुत ही कोमल हैं। किस कारण से आप यहां घूम रहे हैं? आप लोगों की सुंदरता देखकर तो ऐसा लगता है कि जैसे आप ब्रह्मा, विष्णु, महेश में से कोई हों या नर और नारायण नाम के प्रसिद्ध ऋषि हों। आप अपना परिचय देकर हमारा उपकार कीजिये।

हनुमानजी से प्रसन्न हुए श्रीराम और श्रीलक्ष्मण

हनुमानजी की मन को अच्छे लगने वाली बातें सुनकर भगवान श्रीरामचंद्रजी ने अपना और लक्ष्मण का परिचय देते हुए कहा कि राक्षसों ने सीताजी का हरण कर लिया है। हम उन्हें खोजते हुए चारों ओर घूम रहे हैं। हे ब्राह्मणदेव! मेरा नाम राम तथा मेरे भाई का नाम लक्ष्मण है। हम अयोध्या नरेश महाराज दशरथ के पुत्र हैं। अब आप अपना परिचय दीजिये। भगवान श्रीरामचंद्रजी की बातें सुनकर हनुमानजी ने जान लिया कि ये स्वयं भगवान ही हैं। बस, वे तुरंत ही उनके चरणों में गिर पड़े। राम ने उठाकर उन्हें गले से लगा लिया।

हनुमानजी ने राम-लक्ष्मण को कंधे पर बिठाया

हनुमानजी ने कहा, प्रभो! आप तो सारे संसार के स्वामी हैं। मुझसे मेरा परिचय क्या पूछते हैं? आपके चरणों की सेवा करने के लिए ही मेरा जन्म हुआ है। अब मुझे अपने परम पवित्र चरणों में जगह दीजिये। भगवान श्रीराम ने प्रसन्न होकर उनके मस्तक पर अपना हाथ रख दिया। हनुमानजी ने उत्साह और प्रसन्नता से भरकर दोनों भाइयों को उठाकर कंधे पर बैठा लिया। सुग्रीव ने उनसे कहा था कि भय की कोई बात होगी तो मुझे वहीं से संकेत करना। हनुमानजी ने राम-लक्ष्मण को कंधे पर बिठाया- यही सुग्रीव के लिए संकेत था कि इनसे कोई भय नहीं है। उन्हें कंधे पर बिठाये हुए ही वह सुग्रीव के पास आये। उनसे सुग्रीव का परिचय कराया। भगवान ने सुग्रीव के दु:ख और कष्ट की सारी बातें जानीं। उसे अपना मित्र बनाया और दुष्ट बालि को मारकर उसे किष्किन्धा का राजा बना दिया। इस प्रकार हनुमानजी की सहायता से सुग्रीव का सारा कष्ट दूर हो गया।

संकटमोटन हनुमान ने अपने जीवन काल में अभिमान वश एक ऐसा भी युद्ध लड़ा जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं इस युद्ध में हनुमान जी को हराने वाला कोई और नहीं एक राम भक्त ही था। तो आईए जानें आखिर कौन था ये राम भक्त.

संकटमोटन हनुमान को भी करना पड़ा था हार का सामना

श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को वीरों के वीर महावीर कहा जाता है। जिन्होंने अपने प्रभु राम की रक्षा करने के लिए बहुत से युद्ध किए और जीते। शास्त्रों में इन्हें संकटमोटन कहा जाता है क्योंकि ये अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं। रामायण महाकाव्य में महर्षि वाल्मीकि ने राम चंद्र और हनुमान जी के कार्यो का बहूत ही सुंदर तरीके वर्णन किया है। रामायण के पान से यह पता चलता की हनुमान अपनी निस्वार्थ भक्ति से राम के मन मंदिर में बसे हुए हैं। राम जी के लिए बजरंगबली ने हर असंभव कार्य को भी संभव सिद्ध किया। इन्होंने अपने पराक्रम से बड़े-बड़ राक्षसों का नाश किया। इतना ही नहीं इन्होंने अपने पराक्रम से शनिदेव, बालि, अर्जुन, भीम जैसे बड़े-बड़े वीरों को युद्ध में पराजित करके उनका अभिमान चूर-चूर किया। लेकिन क्या आपको पता है कि संकटमोटन हनुमान ने अपने जीवन काल में अभिमान वश एक ऐसा भी युद्ध लड़ा जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं इस युद्ध में हनुमान जी को हराने वाला कोई और नहीं एक राम भक्त ही था। तो आईए जानें आखिर कौन था ये राम भक्त.

दरअसल मच्छिंद्रनाथ नाम के बड़े तपस्वी थें, एक बार जब वो रामेश्वरम में आए तो रामजी का निर्मित सेतु देख कर वे भावविभोर हो गए और प्रभु राम की भक्ति में लीन होकर वे समुद्र में स्नान करने लगे। तभी वहां वानर वेश में उपस्थित हनुमान जी की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने मच्छिंद्रनाथ जी के शक्ति की परीक्षा लेनी चाही। इसलिए हनुमान जी ने अपनी लीला आरंभ की, जिससे वहां जोरों की बारिश होने लगी, ऐसे में बानर रूपी हनुमान जी उस बारिश से बचने के लिए एक पहाड़ पर वार कर गुफा बनाने की कोशिश का स्वांग करने लगे। दरअसल उनका उद्देश्य था कि मच्छिंद्रनाथ का ध्यान टूटे और उन पर नजर पड़े और वहीं हुआ मच्छिंद्रनाथ ने तुरंत सामने पत्थर को तोड़ने की चेष्टा करते हुए उस वानर से कहा, 'हे वानर तुम क्यों ऐसी मूर्खता कर रहे हो, जब प्यास लगती है तब कुआं नहीं खोदा जाता, इससे पहले ही तुम्हें अपने घर का प्रबंध कर लेना चाहिए था।' ये सुनते ही वानर रूपी हनुमान जी ने मच्छिंद्रनाथ से पूछा, आप कौन हैं?

जिस पर मच्छिंद्रनाथ ने स्वयं का परिचय दिया 'मैं एक सिद्ध योगी हूं और मुझे मंत्र शक्ति प्राप्त है।' जिस पर हनुमान जी ने मच्छिंद्रनाथ की शक्ति की परीक्षा लेने के उद्देश्य से कहा, वैसे तो प्रभु श्रीराम और महाबली हनुमान से श्रेष्ठ योद्धा इस संसार में कोई नहीं है, पर कुछ समय उनकी सेवा करने के कारण, उन्होंने प्रसन्न होकर अपनी शक्ति का एक प्रतिशत हिस्सा मुझे भी दिया है, ऐसे में अगर आप में इतनी शक्ति है और आप पहुंचे हुए सिद्ध योगी है तो मुझे युद्ध में हरा कर दिखाएं, तभी मैं आपके तपोबल को सार्थक मानूंगा, अन्यथा स्वयं को सिद्ध योगी कहना बंद करें। इतना सुनते ही मच्छिंद्रनाथ ने उस वानर की चुनौती स्वीकार कर ली और युद्ध की शुरुआत हो गई। जिसमें वानर रुपी हनुमान जी ने मच्छिंद्रनाथ पर एक-एक करके 7 बड़े पर्वत फेंके, पर इन पर्वतों को अपनी तरफ आते देख मच्छिंद्रनाथ ने अपनी मंत्र शक्ति का प्रयोग किया और उन सभी सातों पर्वतों को हवा में स्थिर कर उन्हें उनके मूल स्थान पर वापस भेज दिया। इतना देखते ही महाबली को क्रोध आया उन्होनें मच्छिंद्रनाथ पर फेंकने के लिए वहां उपस्थित सबसे बड़ा पर्वत अपने हाथ में उठा लिया। जिसे देखकर मच्छिंद्रनाथ ने समुंद्र के पानी की कुछ बूंदों को अपने हाथ में लेकर उसे वाताकर्षण मंत्र से सिद्ध कर उन पानी की बूंदों को हनुमान जी के ऊपर फेंक दिया।

इन पानी की बूंदों का स्पर्श होते ही हनुमान का शरीर स्थिर हो गया और हलचल करने में भी असमर्थ हो गया, साथ ही उस मंत्र की शक्ति से कुछ क्षणों के लिए हनुमान जी की शक्ति छिन्न गई और ऐसे में वे उस पर्वत का भार न उठा पाने के कारण तड़पने लगे। तभी हनुमान जी का कष्ट देख उनके पिता वायुदेव वहां प्रगट हुए और मच्छिंद्रनाथ से हनुमान जी को क्षमा करने की प्रार्थना की। वायुदेव की प्रार्थना सुन मच्छिंद्रनाथ ने हनुमान जी को मुक्त कर दिया और हनुमान जी अपने वास्तविक रुप में आ गए। इसके बाद उन्होंने मच्छिंद्रनाथ से कहा - हे मच्छिंद्रनाथ आप तो स्वयं में नारायण के अवतार हैं, ये मैं भलीभांति जानता था, फिर भी मैं आपकी शक्ति की परीक्षा लेने की प्रयास कर बैठा, इसलिए आप मेरी इस भूल को माफ करें। ये सुनकर और स्थिति को समझते हुए मच्छिंद्रनाथ ने हनुमान जी को माफ कर दिया।

कलयुग में अवतार लेंगे श्री गणेश

धर्म शास्त्रों के अनुसार जब भी धरती पर पाप बढ़ा है, तब भगवान अवतरित हुए हैं। सर्वप्रथम पूज्य गौरीपुत्र श्री गणेश भक्तों की विपदा को हरने वाले देव हैं। भगवान गणेश का पूजन देवता भी करते हैं जिनके स्मरण मात्र से सारे काम होते हैं। पुराणों में भगवान गणेश के कलयुग में अवतरित होने की बात कही गई है। जब पाप का आतंक बढ़ेगा तब बप्पा अवतार लेंगे, धरती को पापमुक्त करेंगे। फिर सतयुग का आरंभ होगा। धर्मशास्त्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए जिनमें गणपति बप्पा के प्रमुख अवतार हैं

मयूरेश्वर

त्रेतायुग में महाबली सिंधु के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान ने मयूरेश्वर के रूप में अवतार लिया। यह अवतार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को अभिजित मुहूर्त में हुआ था। इस अवतार में गणेश माता पार्वती के यहां अवतरित हुए थे। इस अवतार में गणेश जी के षडभुजा थीं, उनके चरण कमलों में छत्र, अंकुश एवं ऊर्ध्व रेखायुकृत कमल आदि चिन्ह थे। उनका नाम मयूरेश पड़ा। मयूरेश रूप में भगवान गणेश ने बकासुर, नूतन, कमालासुर, सिंधु एवं पुत्रों और उसकी अक्षौहिणी सेना का संहार किया तथा देवता, मनुष्य आदि को दैत्यों के भय से मुक्ति दिलाई।

श्री गजानन

द्वापर युग में राजा वरेण्य के यहां भगवान गणेश गजानन रूप में अवतरित हुए। चतुर्भुजी थे। नासिका के स्थान पर सूंड सुशोभित थी। मस्तक पर चंद्रमा तथा हृदय पर चिंतामणि दीप्तिमान थी। वे दिव्य गंध तथा दिव्य वस्त्राभारणों से अलंकृत थे। उनका उदर विशाल एवं उन्नत था, हाथ-पांव छोटे-छोटे और कर्ण शूर्पाकार थे। आंखें छोटी-छोटी थीं, गणेश जी का ऐसा विलक्षण मनोरम रूप था। इस अवतार में भगवान गणेश ने सिंदूर नामक दानव को उसकी सेना सहित परास्त किया था और उसे युद्ध भूमि में मार डाला। उस समय क्रुद्ध गजानन ने उस सिंदूर का रक्त अपने दिव्य अंगों पर पोत लिया, तभी से वे सिंदूरहा, सिंदूरप्रिय तथा सिंदूरवदन कहलाए।

महोत्कट विनायक

कृतयुग में भगवान गणपति 'महोत्कट विनायक' के नाम से प्रख्यात हुए। अपने महान उत्कट ओजशक्ति के कारण वे 'महोत्कट' नाम से विख्यात हुए, उन महातेजस्वी प्रभु के दस भुजाएं थीं, उनका वाहन सिंह था, वे तेजोमय थे। उन्होंने देवांतक तथा नरांतक आदि प्रमुख दैत्यों के संत्रास से संत्रस्त देव, ऋषि-मुनि, मनुष्यों तथा समस्त प्राणियों को भयमुक्त किया। देवांतक से हुए युद्ध में वे द्विदंती से एकदंती हो गए।

श्री धूम्रकेतु

श्री गणेश जी का कलियुगीय भावी अवतार धूम्रकेतु के नाम से विख्यात होगा। कलि के अंत में घोर पापाचार बढ़ जाने पर, देवताओं की प्रार्थना पर सद्धर्म के पुन: स्थापन के लिए वे इस पृथ्वी पर अवतरित होंगे और कलि का विनाश कर सतयुग की अवतारणा करेंगे।

हाई स्कूल मैदान जांजगीर में जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव व एग्रीटेक कृषि मेला का 11 से 13 फ़रवरी तक होगा आयोजन

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं, स्थानीय कलाकारों, लोक कलाकार, कवि सम्मलेन, कृषक संगोष्ठी, कृषि यंत्रों के प्रदर्शन एवं पशु प्रदर्शनी का होगा आयोजन

छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री दिलीप षडंगी, लोक गायिका आरू साहू,सारेगामा विजेता एवं

बॉलीवुड सिंगर इशिता विश्वकर्मा अपनी प्रस्तुति देंगी

जांजगीर-चांपा। जिले के शासकीय हाई स्कूल मैदान, जांजगीर में 11, 12 एवं 13 फ़रवरी 2026 को जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेलाङ्क2026 का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं, स्थानीय कलाकारों, कवि सम्मलेन, कृषक संगोष्ठी, कृषि यंत्रों के प्रदर्शन एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

11 फ़रवरी 2026 को प्रातः 10 बजे कृषि विज्ञान केंद्र, जांजगीर में खेती-किसानी कार्यक्रम का शुभारंभ किसान सम्मेलन के साथ किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे से कृषक संगोष्ठी आयोजित होगी। वहीं हाई स्कूल मैदान, जांजगीर में दोपहर 3:30 बजे से 6:00 बजे तक जिले के स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शाम 6:00 से 8:00 बजे तक स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति होगी तथा रात्रि 8:00 बजे से प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री दिलीप षडंगी अपनी प्रस्तुति देंगे।

12 फ़रवरी 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र में प्रातः 10 बजे से कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इसी दिन हाई स्कूल मैदान में दोपहर 3:30 बजे से स्कूली छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम, शाम 6:00 से 8:00 बजे तक स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति तथा रात्रि 8:00 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्री शशिकांत यादव (मध्य प्रदेश), डॉ. आदित्य जैन (राजस्थान) श्री गौरव चौहान (उत्तरप्रदेश), श्री अमित शुक्ला (मध्य प्रदेश), प्रीति पाण्डेय (उत्तर प्रदेश), श्री अभिषेक पाण्डेय (छत्तीसगढ़), श्री मीर अली मीर, (छत्तीसगढ़) एवं श्री बंशीधर मिश्रा (छत्तीसगढ़) द्वारा कविता पाठ किया जाएगा।

13 फ़रवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से कृषि यंत्रों का जीवंत प्रदर्शन एवं पशु प्रदर्शनी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं हाई स्कूल मैदान, जांजगीर में दोपहर 3:30 से 5:00 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम, शाम 5:00 से 6:00 बजे तक स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति तथा शाम 6:00 से 8:00 बजे तक छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक गायिका आरू साहू की प्रस्तुति होगी। इसके पश्चात रात्रि 8:00 बजे से सारेगामा विजेता एवं बॉलीवुड सिंगर इशिता विश्वकर्मा अपनी प्रस्तुति देंगी।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय बजट 2026 पर महिला संवाद का आयोजन दुर्ग में, जिला पंचायत सभापति नीलम चन्द्रकार भी शामिल हुई

पाटन। केंद्रीय बजट 2026 को लेकर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन दुर्ग स्थित भाजपा कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर रहीं। उन्होंने केंद्रीय बजट 2026 में महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोज़गार और आत्मनिर्भरता से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने संबोधन में श्रीमती ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बजट में महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को प्राथमिकता दी गई है, जिससे देश की आधी आबादी को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट नारी शक्ति को सशक्त बनाने वाला और विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में दुर्ग जिला भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पाटन से जिला पंचायत दुर्ग की सभापति श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट महिलाओं के हित में संतुलित और दूरदर्शी है। उन्होंने बताया कि बजट में महिलाओं के लिए किए गए प्रावधान निश्चित रूप से उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगे और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फिल्म द्वादश ज्योतिर्लिंग मोर महादेव में बॉलीवुड एक्टर गूफी पेंटल की आवाज जादूगरी सुनाई देगी...

रायपुर... महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर डीसी फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी छत्तीसगढ़ी फिल्म द्वादश ज्योतिर्लिंग मोर महादेव 13 फ़रवरी से प्रदेश के नजदीकी सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म रायपुर के श्याम टॉकीज सहित छत्तीसगढ़ के समस्त सिनेमाघर एवं मल्टीप्लेक्स में भी इसे रिलीज किया जा रहा है। डीसी फिल्म प्रोडक्शन हाउस से व फिल्म के निर्माता निर्देशक श्रवण कुमार राठौर ने बताया कि वह स्वयं शिव भक्त हैं और ऐसी फिल्म का निर्माण किया है जिसमें दर्शकों को एक सुंदर धार्मिक पारिवारिक कहानी के साथ भगवान शिव से जुड़ी ऐसी ऐसी बातें जानने को मिलेगी जो सिर्फ शिव महापुराण में पढ़ी जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि 15 फ़रवरी को महाशिवरात्रि है। शिव भक्तों के लिए 2 दिन पूर्व 13 को प्रदर्शित कर रहे ! महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तों को सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन भी होंगे। फिल्म में अभिनय सुपरस्टार प्रकाश अवस्थी, अभिनेत्री नैनी तिवारी, अखिलेश वर्मा, डॉ अजय सहाय, वर्षा बर्मन, संतोष जैन, योगेश अग्रवाल, नवलदास मानिकपुरी गोकुल चतुर्वेदी, विजय मिश्रा, नील देवांगन, भानुमति कोसरे, गोपाल पोर्ते मुस्कान, सीमा, सत्यभाभा समेत अन्य कलाकारों ने अभिनय का जलवा दिखाया है । फिल्म में समस्त ज्योतिर्लिंगों का वर्णन मशहूर बॉलीवुड अभिनेता गूंफी पेंटल करते नजर आएंगे। श्रवण राठौर सभी शिव भक्तों से अपील की है कि वह अपने परिवार के साथ इस फिल्म को देखें और अपना प्यार दें।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में अवैध रेत उत्खनन पर सख़्त कार्रवाई,7 हाईवा वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की गई। तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम पूछेली क्षेत्र में राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते पाए गए 7 हाईवा वाहनों को जब्त किया गया।जब्त किए गए वाहनों को नियमानुसार खनिज विभाग एवं पुलिस बल को सुपुर्द कर दिया गया है, जहां प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री महोबे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लोकसंस्कृति हमारी पहचान और आस्था का आधार – जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक

पाटन। पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत तर्रा में आयोजित दो दिवसीय जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने विधिवत दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर श्रीमती कीर्ति नायक ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, जसगीत और झांकी हमारी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक समरसता की सशक्त पहचान है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा और संस्कारों का संचार होता है। जनपद पंचायत पाटन सदैव ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण अंचलों में युवाओं द्वारा लोकसंस्कृति को जीवित रखने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम के दौरान अतिथि दीर्घा में नीलम चंद्राकर, राजेश चंद्राकर, कमलेश चंद्राकर, विपिन चंद्राकर, राकेश चंद्राकर, रामानंद चंद्राकर एवं रामेश्वर कोसे विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन जय मां चंडी युवा समिति द्वारा किया गया। समिति के सक्रिय सदस्य टिकेश, गोविन्दा, मनीष, मोनू, सोनू, गणेश, रितेश, किशन, पियूष, संजय, सदाब, चेतन, तुसु, चन्दन, युवराज, अमित, अमर सिंह, नितेश, देवेश, सतीश, आयुष, जगत, डेमन, सुखदेव, संतराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में आयोजक समिति द्वारा जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक का आत्मीय स्वागत-सम्मान किया गया तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

लखुर्री के क्रिकेट खिलाड़ियों ने बम्हनीडीह में लहराया परचम; सरपंच ने मेडल और बैट भेंट कर किया सम्मानित

लखुर्री /// समय दर्शन //ग्राम पंचायत लखुर्री के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए बम्हनीडीह में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान (रनर-अप) प्राप्त किया है। खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि पर गाँव में उत्साह का माहौल है।

गाँव पहुँचने पर विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लखुर्री सरपंच श्रीमती लक्ष्मीन कौशल कर्ष और अनुराग धीवर (उप सरपंच) देवलाल यादव पंच वार्ड क्र. 07 ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सरपंच ने खेल के प्रति खिलाड़ियों के समर्पण की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों को स्वयं मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

खिलाड़ियों के खेल को और बेहतर बनाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरपंच द्वारा टीम को क्रिकेट बैट भी भेंट स्वरूप दिए गए। इस दौरान सरपंच लक्ष्मीन कर्ष ने कहा कि खेल से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि इससे अनुशासन और टीम भावना भी बढ़ती है। उन्होंने भरोसा जताया कि गाँव के ये युवा भविष्य में और भी बड़े मंचों पर लखुर्री का नाम रोशन करेंगे।

सम्मान पाकर खिलाड़ी अत्यंत उत्साहित नजर आए और उन्होंने इस प्रोत्साहन के लिए सरपंच का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

घिवरा मुख्य मार्ग बना जान लेवा मार्ग, सड़क बना अधिकारी की मिलीभगत नहीं उठाते कॉल

जांजगीर चांप (समय दर्शन)। जिले के शिवरीनारायण डभरा मुख्य मार्ग इन दिनों सड़क की धज्जिया उड़ रही है इंजीनियर आसुतोष पटेल को कई बार बोलने के बाजूद नहीं दे रहे है ध्यान न है छिड़काओ पानी की लोगों मे बनी रहती है एक्सीडेंट होने की संभावना इतनी धूल उड़ती है की 10 कदम भी नहीं दिखाई दे रहा है उनके ऊपर अधिकारियो को भी बताने के लिए कॉल किया गया कई बार लेकिन उन लोग फोन है नहीं उठाते और न की कोई प्रियंका मेहता जो श्च2स्त्र विभाग मे शनियर है उन्होंने भी कोई जवाब नहीं दी इससे ये होता है ठेकेदार इंजीनियर और उच्च अधिकारियो की मिलीभगत से काम हो रहा है तभी ये लोग जवाब नहीं देते है जवाब देते है धंसे हिस्से स्थानीय लोगों के लिए निरंतर परेशानी का कारण बने हुए हैं। राहगीरों को रोजमर्रा की आवाजाही के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और आगे मलदा साइड जो बन रहा है उनमे डामर की मात्रा न की बराबर डल रहा है , जिससे दुर्घटना की संभावना लगातार बनी रहती है।

धूल डस्ट से ग्रामीण परेशान डामरीकरण नहीं होने से आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा जिससे स्वास्थ्य प्रदूषण और कई अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है राहगीर धूल डस्ट से नहीं दिखाई दे रहा भारी वाहन किसी बड़े घटना का दे रहा संकेत पीडब्ल्यूडी द्वारा किसी प्रकार से पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा डामरीकरण कछुए की भाती चल रहा काम

डायसन एयररैप, मार्शल स्पीकर्स, आईफोन 17 : क्रोमा में वैलेंटाइन्स डे सेल में सब कुछ मिल रहा है भारी छूट पर!

इन ऑफर्स में शामिल हैं– हर कैटेगरी पर डिस्काउंट, विशेष कीमतें, बंडल पैक और सीमित समय के लिए बैंक ऑफर्स!

नईदिल्ली। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर और टाटा ग्रुप के सदस्य, क्रोमा ने इस वैलेंटाइन्स डे के लिए लाया है अल्टीमेट गिफ्टिंग गाइड, जिसमें आपको मिलेंगे ?699 से शुरू होने वाले ढेरों विकल्प। प्रीमियम डिवाइस से लेकर रोज़मर्रा की ज़रूरतों तक, स्मार्टफोन्स, टैबलेट्स, वियरेबल्स, ऑडियो, पर्सनल केयर और बहुत कुछ पर विशेष कीमतें, कैटेगरी डिस्काउंट और क्यूरेटेड बंडल डील्स, आपके प्रियजन के लिए सही गिफ्ट ढूँढना आसान बना देंगे।

वैलेंटाइन्स डे ऑफर्स 6 से 15 फ़रवरी तक सभी क्रोमा स्टोर्स पर उपलब्ध रहेंगे। ग्राहक कैशबैक और आसान ईएमआई विकल्पों सहित कई रोमांचक लाभों का आनंद ले सकते हैं, जो इस इलेक्ट्रॉनिक्स सेल को और भी शानदार बनाते हैं। सभी कीमतें और ऑफर्स ब्रांड, मॉडल, स्टोर, दिन, शहर और उपलब्धता के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं, और संबंधित बैंक या फाइनेंस पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक एचडीएफसी टाटा नेउ क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके चुनिंदा उत्पादों पर 10त्न तक की छूट पा सकते हैं। वैलेंटाइन्स डे के खास मौके पर क्रोमा लाया है 'हीरो ऑफर्स', जहाँ आपको बेस्टसेलिंग स्मार्टफोन्स और ऑडियो प्रोडक्ट्स पर जबरदस्त बचत मिलेगी!

आईफोन17 अब मिल रहा है सिर्फ47,742 में। यह ऑफर पाने का तरीका:

अपना पुराना स्मार्टफोन एक्सचेंज करें और 23,500 तक की वैल्यू पाएं (कंडीशन और मॉडल के आधार पर)

8,000 का अतिरिक्त एक्सचेंज बोनस पाएं।

2,000 का फ्लैट बैंक कैशबैक पाएं।

मार्शल ब्ल्यूटूथ स्पीकर जिसकी बाज़ार कीमत ?19,999 है, अब खरीदें सिर्फ ?12,999 में।

सोनी हेडफोन्स, ?14,990 वाले अब 50 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ सिर्फ7,499 में उपलब्ध हैं।

''ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के विद्यार्थियों का 'राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026, जयपुर (राजस्थान) में खो-खो अंडर-14 में शानदार प्रदर्शन'

जांजगीर-चांपा ///समय दर्शन // जिले के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि ''ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर'' के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने ''राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026'' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, जिला एवं प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ''जयपुर, राजस्थान'' में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से विभिन्न राज्यों की टीमों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की ''अंडर-14 आयु वर्ग में बालक एवं बालिका खो-खो टीम'' ने भाग लिया। कठिन अभ्यास, अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल के बल पर विद्यालय की दोनों टीमों ने उल्लेखनीय सफ्लता प्राप्त की। प्रतियोगिता में ''बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक ़;पसअमत डमकंसद्ध अपने नाम किया, वहीं ''बालिका टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक ;ठतवद्रम डमकंसद्ध जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की सशक्त और अनुभवी टीमों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक मैच अत्यंत रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की टीमों ने अनुशासित खेल, तेज, गति, रणनीतिक समझ और आपसी तालमेल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खिलाडियों ने अंतिम क्षण तक हार न मानते हुए खेल भावना का परिचय दिया, जिसका परिणाम पदक के रूप में सामने आया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से विजयी होकर लौटने पर ''नैला-जांजगीर रेलवे स्टेशन'' पर खिलाडियों का ''भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत'' किया गया। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावक, छात्र-छात्राएँ एवं खेल प्रेमियों ने मिलकर खिलाडियों का ''फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और आतिशबाजी'' के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। स्टेशन परिसर देशभक्ति और विजय उल्लास के नारों से गूंज उठा। खिलाडियों के चेहरे पर आत्मविश्वास और गर्व की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही थी। इसके पश्चात दिनांक ''07 फ़रवरी 2026'' को ''ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी'' के विद्यालय परिसर में एक ''भव्य सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था की उप-प्राचार्या, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह में संस्था की उप-प्राचार्या, खेल शिक्षकों एवं अभिभावकों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि, 卐खेल न केवल शारीरिक विकास करता है, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। हमारे विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत और समर्पण से राष्ट्रीय स्तर पर भी सफ्लता प्राप्त की जा सकती है।卐 इस अवसर पर ''अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति में'' सभी खिलाड़ियों को ''प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और विद्यालय प्रबंधन एवं खेल प्रशिक्षकों का आभार प्रकट किया। खिलाड़ियों के साथ-साथ टीम के कोच एवं शारीरिक-शिक्षा शिक्षकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन में यह सफ्लता संभव हो सकी। संस्था के खेल शिक्षकों के रूप में श्री गिरजा प्रसाद, सुश्री यामिनी गंर्धव का सराहनीय योगदान रहा। समारोह के दौरान अभिभावकों ने कहा कि ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देता है, जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की लगन, नियमित अभ्यास और अनुशासन की सराहना करते हुए भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद जताई। विद्यालय प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में विद्यार्थियों को ''राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर'' की प्रतियोगिताओं के लिए और अधिक सुविधाएँ, प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू सकें। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। ''बालक टीम का रजत पदक और बालिका टीम का कांस्य पदक'' यह दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन, परिश्रम और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। यह सफ्लता आने वाली पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

खबर-खास

गायत्री शक्ति पीठ पाटन में महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन 10 फरवरी को

पाटन (समय दर्शन)। गायत्री शक्ति पीठ पाटन में दिनांक 10 फरवरी, मंगलवार को एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह गोष्ठी दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी। कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक हरिद्वार में संपन्न हुए शताब्दी समारोह का वीडियो प्रदर्शन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक शांतिकुंज हरिद्वार से प्राप्त निर्देशों की समीक्षा एवं उनके क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस गोष्ठी का उद्देश्य शांतिकुंज से प्राप्त मार्गदर्शन को स्थानीय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करना है। उक्त जानकारी ब्लॉक समन्वयक आर. एल. पंडरिया द्वारा दी गई।

दुर्ग में एनडीपीएस एक्ट विवेचना पर विशेष प्रशिक्षण, साक्ष्य संकलन और कानूनी प्रक्रियाओं पर जोर

दुर्ग। मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की जांच को अधिक प्रभावी और कानूनी रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण पुरानी पुलिस लाइन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हाल में संपन्न हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न थानों से आए पुलिस अधिकारी और विवेचक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में जांच की गुणवत्ता सुधारना, कानूनी प्रावधानों की सही समझ विकसित करना और न्यायालयीन दृष्टिकोण से साक्ष्य संकलन को सुदृढ़ बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान जब्ती, सैंपलिंग, एफएसएल परीक्षण और चेन ऑफ कस्टडी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों और वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने केस स्टडी के माध्यम से विवेचना की बारीकियों को समझाया। न्यायालय की अपेक्षाओं के अनुरूप दस्तावेजी साक्ष्यों की शुद्धता, घटनास्थल पर त्रुटिरहित पंचनामा, जप्त सामग्री की सुरक्षित अभिरक्षा और समय पर फॉरेंसिक परीक्षण की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के मामलों में छोटी तकनीकी त्रुटियां भी न्यायालयीन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं, इसलिए प्रत्येक चरण में विधिक प्रावधानों का पालन अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण में लगभग 75 पुलिस अधिकारी और विवेचक शामिल हुए। दुर्ग पुलिस ने सभी विवेचकों से अपील की है कि वे एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में निष्पक्ष, मजबूत और गुणवत्ता पूर्ण जांच सुनिश्चित करें, ताकि दोषियों को सख्त सजा दिलाई जा सके और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी योगदान दिया जा सके।

भूमि सौदे में फर्जीवाड़ा: सुपेला पुलिस ने एक और आरोपी को दबोचा

दुर्ग। जमीन बिक्री के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी के मामले में सुपेला थाना पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में पेश किया गया, जबकि इसी प्रकरण में एक अन्य आरोपी पहले ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस के अनुसार, प्रार्थी ज्ञानेश्वर सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से सटी करीब 38,090 वर्गफीट जमीन—खसरा नंबर 144/7 और 144/03, पटवारी हल्का नंबर 20, तहसील-दुर्ग—को बेचने का झांसा दिया गया। जमीन का वास्तविक स्वामित्व संदीप जैन और अनुराग जैन के नाम दर्ज है, लेकिन आरोपियों ने खुद के नाम एग्रीमेंट होने का दावा कर सौदा कराया। बताया गया कि 24 जनवरी 2020 को एग्रीमेंट के दस्तावेज दिखाकर इकरारनामा किया गया, जिसमें नकद और बैंक ट्रांसफर से कुल 26 लाख रुपये देने का उल्लेख था। इसके बाद जमीन मालिक के नाम से कथित फर्जी आधार और पैन कार्ड तैयार कर आईसीआईसीआई बैंक में खाता खुलवाया गया और उसी खाते के जरिए 24 लाख रुपये हासिल किए गए। अलग-अलग माध्यमों से कुल करीब 55 लाख रुपये की ठगी की बात सामने आई है। शिकायत के आधार पर सुपेला थाना में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पहले कुलदीप सिंह सोनी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अब जोगी सिंह सोनी (40 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 26, संतराबाड़ी, दुर्ग को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। मामले से जुड़े दस्तावेज और बैंक लेन-देन के रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय यादव सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि जमीन खरीद-बिक्री या किसी भी वित्तीय सौदे से पहले दस्तावेजों का पूरा सत्यापन करें और धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सरस्वती शिशु मंदिर चंदखुरी-बैतलपुर में विद्यारंभ संस्कार, शिशु नगरी एवं मातृ सम्मेलन

सरगांव/बिलासपुर। सरस्वती शिशु मंदिर, चंदखुरी-बैतलपुर में विद्यारंभ संस्कार, शिशु नगरी एवं मातृ सम्मेलन का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 25 पोषक ग्रामों से आई माताओं ने मातृ सम्मेलन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जहाँ मातृ शक्ति के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुकुल पद्धति से 31 भैया-बहनों का विधिवत विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। साथ ही शिशु नगरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें नन्हे शिशुओं के लिए खेल, शिक्षाप्रद एवं संस्कार आधारित गतिविधियाँ कराई गईं। शिशु नगरी के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं संस्कार निर्माण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत मुंगेली की सभापति अंबालिका साहू रहीं तथा अध्यक्षता पथरिया जनपद पंचायत के सभापति मनीष साहू ने की। विशिष्ट अतिथियों में चंदखुरी ग्राम पंचायत के सरपंच रामदयाल मंडन, शिशु वाटिका प्रांत

संयोजिका माया तंबोली दीदी, बालिका शिक्षा प्रांत संयोजिका रीता तिवारी दीदी, विभाग समन्वयक गेंदराम राजपूत (बिलासपुर विभाग) एवं जिला समन्वयक पेशीराम साहू (मुंगेली) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय समिति के अध्यक्ष भोजराम वर्मा, सचिव मनीष अग्रवाल, समिति सदस्यों तथा प्राचार्य आचार्य की उपस्थिति रही। मुख्य ने मातृ सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मातृ शक्ति समाज की आधारशिला है। माँ ही संतान को संस्कार, संस्कृति एवं चरित्र की प्रथम शिक्षा देती है। उन्होंने माताओं से अपने बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने, विद्यालय में कराई जाने वाली गतिविधियों को घर पर भी अपनाने तथा बच्चों को चरित्रवान एवं राष्ट्रभक्त बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने शिशु वाटिका निर्माण हेतु 2 लाख की घोषणा भी की।अतिथियों ने विद्यालय द्वारा दी जा रही संस्कारयुक्त एवं गुरुकुल परंपरा आधारित शिक्षा की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

केंद्र बजट सभी वर्गों के लिए हितकारी, किसानों और महिलाओं पर विशेष फोकस: नारायण चंदेल

सारंगढ़ बिलाईगढ़ - टारजन महेश(समय दर्शन) पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि केंद्र सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट देश के सभी वर्गों के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि पर आधारित है, इसलिए इस बजट में किसानों को समृद्ध बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सारंगढ़ के चंदाई स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चंदेल ने कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए बांध और नहर निर्माण, उन्नत कृषि उपकरणों की उपलब्धता, मिट्टी परीक्षण की व्यवस्था, पशुपालन और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए तालाब निर्माण जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी और जल स्तर में सुधार होगा।

उन्होंने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं के लिए भी बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। हर जिले में कम से कम एक महिला छात्रावास की व्यवस्था, महिलाओं के लिए 'सी-मार्ट' जैसी योजनाएं और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन देने की पहल बजट की प्रमुख विशेषताएं हैं।

चंदेल ने कहा कि देश में आवागमन को सुदृढ़ करने के लिए सड़क, रेल मार्ग और हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही हजारों किलोमीटर नई रेल लाइन के निर्माण की योजना से विकास को गति मिलेगी। सोलर सिस्टम के उपकरणों को सस्ता करने और गंभीर बीमारियों की दवाइयों की कीमत घटाने का भी बजट में प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, ओडिशा सहित खनिज संपन्न राज्यों के लिए खनिज कॉरिडोर की योजना बनाई गई है, जिससे छत्तीसगढ़ को खनिज संसाधनों से अधिक राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही छोटे अपराधों पर कारावास के बजाय जुर्माने की व्यवस्था से न्याय प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है।

नारायण चंदेल ने कहा कि इस बजट में समाज के सभी वर्गों और समूहों का संतुलित रूप से ध्यान रखा गया है, जिससे देश के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, पूर्व विधायक जवाहर नायक, केरा बाई मनहर, भुवन मिश्रा, जगन्नाथ केशरवानी, सुभाष जालान, हरिनाथ खूंटे ,द्वारका साहू ,अजय नायक, हितेश अजगले,सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वस्थ समाज की ओर फाइलेरिया उन्मूलन का संकल्प... दवाई सेवन अनिवार्य

सारंगढ़-बिलाईगढ़, टारजन महेश (समय दर्शन) फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूाह्र) डॉ. एफआर. निराला ने लोगों से सामूहिक दवा सेवन अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया, जिसे आम बोलचाल में हाथीपांव कहा जाता है, मच्छरों के काटने से फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारी है, लेकिन समय पर दवा लेने और बचाव के उपाय अपनाने से इसे जड़ से खत्म किया जा सकता है।

जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अभियान है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें, दवा का अनिवार्य रूप से सेवन करें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके

डॉ. निराला ने बताया कि मच्छर गहरे (डार्क) रंगों पर अधिक बैठते हैं, इसलिए खासकर शाम और रात के समय हल्के रंग के कपड़े पहनना चाहिए। साथ ही मच्छरदानी का उपयोग और आसपास साफ-सफाई रखना फाइलेरिया रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका है।

उन्होंने जानकारी दी कि जिले में 10, 11 और 12 तारीख को सामूहिक दवा वितरण अभियान (एमडीए) चलाया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर 2 वर्ष से अधिक आयु के सभी स्वस्थ लोगों को ष्ठश्वष्ट और द्यड्डद्ठस्रड्ड5श्यद्य (कुछ स्थानों पर ड्ढ1द्गह्म्द्गष्ह्लद्बठ्ठ सहित) की दवा खिलाएगी। दवा हमेशा भोजन के बाद और स्वास्थ्य कार्यकर्ता के सामने ही लेनी चाहिए।

CMHO ने स्पष्ट किया कि गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है, हालांकि जिन लोगों के शरीर में पहले से माइक्रोफाइलेरिया होते हैं, उन्हें हल्का बुखार, चक्कर या सिरदर्द जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं, जो दवा के असर का संकेत हैं। अधिक परेशानी होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

क्या है फाइलेरिया?

यह बीमारी स्यूलेक्स प्रजाति के संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। इसके कीटाणु कई वर्षों तक शरीर में बिना लक्षण के रह सकते हैं और बाद में हाथ, पैर या अंडकोष में असामान्य सूजन का कारण बनते हैं। यह न तो आनुवंशिक है और न ही छूने या साथ खाने से फैलती है।

समुदाय की भागीदारी जरूरी- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जब तक 80 प्रतिशत से अधिक आबादी दवा का सेवन नहीं करती, संक्रमण की श्रृंखला नहीं टूटेगी। भारत सरकार ने फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए जनसहयोग बेहद जरूरी है। जिले में जागरूकता बढ़ाने के लिए दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर और पत्राचार के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। डॉ. निराला ने आम जनता से अपील की कि स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी जा रही फाइलेरिया रोधी गोली अवश्य लें और इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाएं। प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष ने गरियाबंद सिटी कोतवाली का किया निरीक्षण

गरियाबंद। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गिरिधारी नायक ने आज अचानक सिटि कोतवाली गरियाबंद पहुँचकर पुलिस कार्यप्रणाली, शिकायत निवारण व्यवस्था और थाने में आने वाले आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानकारी ली।उन्होंने वहाँ की अभिलेख व्यवस्था,हथियार कक्ष,मालखाना तथा थाने की सुरक्षा प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने रजिस्टरों की जांच की और अपराधों से संबंधित अभिलेखों,पंजीकरण की स्थिति तथा जनशिकायतों के निवारण प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पंजीकरण में किसी प्रकार की देरी या अनावश्यक बाधा नहीं आनी चाहिए तथा आम नागरिकों को न्याय दिलाने में पारदर्शिता और संवेदनशीलता होनी चाहिए।

श्री नायक ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों की सुनवाई समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से करें।उन्होंने पुलिसकर्मियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला शिकायतों के निवारण में त्वरित कार्रवाई, परामर्श सुविधा और कानूनी सहायता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।उन्होंने लॉकअप का निरीक्षण करते हुए बंदियों की स्थिति,सुरक्षा व्यवस्था और मानवाधिकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के साथ किसी भी प्रकार की अमानवीयता या अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए। लॉकअप में स्वच्छता, रोशनी, पानी, स्वास्थ्य सुविधा और भोजन व्यवस्था को मानक अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि पुलिस को नागरिकों की सुरक्षा और न्याय प्रदान करना है। इसलिए कानून-व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने थाना प्रभारी को सभी लंबित मामलों की समीक्षा कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न

बेमेतरा/- वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत, जो कि 14 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी, के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के उद्देश्य से आर्बिट्रेशन, चेक बाउंस, क्लेम/बीमा कंपनी के अधिवक्ताओं तथा बैंक एवं फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।यह बैठक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के आदेशानुसार सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मोहित सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान आर्बिट्रेशन, चेक बाउंस तथा क्लेम/बीमा कंपनी से संबंधित लंबित प्रकरणों में पक्षकारों के साथ प्री-सिटिंग आयोजित कर आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों के निराकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। यह भी कहा गया कि लोक अदालत के माध्यम से मामलों का त्वरित, सरल एवं कम खर्च में समाधान संभव है, जिससे न्यायालयों पर भार भी कम होता है। बैठक में बैंक एवं फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को लोक अदालत में प्रस्तुत करें। साथ ही समय-सीमा के भीतर प्रकरणों का पंजीयन, नोटिस की तामिली सुनिश्चित करने एवं पक्षकारों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में राजीनामा करने पर विशेष जोर दिया गया। उक्त बैठक में आर्बिट्रेशन एवं क्लेम/बीमा कंपनी के अधिवक्तागण, लीड बैंक, विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंक, तथा फाइनेंस कंपनियों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने आगामी नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन में उमड़ा सतनामी समाज, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सादगीपूर्ण विवाह का दिया संदेश

लगभग 200 युवक युवती ने परिचय में शामिल हुए

सारंगढ़ बिलाईगढ़- टारजन महेश(समय दर्शन) सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के पुष्पवाटिका (गुरुघासीदास ज्ञान स्थल) में रविवार को सतनामी समाज का भव्य प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं आदर्श विवाह सम्मान समारोह संपन्न हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं अजा प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब शामिल हुए। उन्होंने समाज की एकजुटता और फिजूलखर्ची त्याग कर सादगीपूर्ण विवाह अपनाने पर विशेष जोर दिया।

भक्ति और परंपरा से हुआ आगाज- कार्यक्रम की शुरुआत गुरु खुशवंत साहेब द्वारा पवित्र जैतखाम की पूजा-अर्चना और मत्था टेकने के साथ हुई। समाज

के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मंत्री जी का आत्मीय स्वागत किया। पिछले तीन वर्षों से आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में इस वर्ष लगभग 200 युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें से जोड़े जैतखाम की परिक्रमा कर सादगी के साथ परिणय सूत्र में बंधे। नव-विवाहित जोड़ों को अतिथियों द्वारा प्रमाणपत्र और आशीर्वाद प्रदान किया गया।

दिखावे की शादियों पर मंत्री का कड़ा प्रहार- समाज को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सतनामी समाज की परंपराएं अत्यंत सरल और तर्कसंगत हैं। उन्होंने कहा दिखावटी शादियों के बजाय हमें सादगी अपनानी चाहिए। बाबा जी का संदेश सादा जीवन का है, जहां एक नारियल से भी विवाह संपन्न हो सकता है। जीवनसाथी का चुनाव एक बड़ा निर्णय है, जिसमें युवाओं को अपने माता-पिता के अनुभव और मार्गदर्शन का सम्मान करना चाहिए।

विकास के लिए बड़ी घोषणाएं- मंत्री जी ने समाज के युवाओं और क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं:

शिक्षा पर जोर CGPSC की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 50 लाख रुपये के सहयोग की बात कही।

ज्ञान स्थल का विकास: मेले के लिए प्रतिवर्ष 10 लाख रुपये और ज्ञान स्थली के विकास के लिए अलग से विशेष बजट जारी करने का आश्वासन दिया।

नारा: उन्होंने छत्तीसगढ़ी में 'जानो, छानो और फिर मानो' का संदेश देते हुए समाज को जागरूक और तर्कसंगत बनने की अपील की।

प्रमुख वक्ताओं ने रखी मांग- कार्यक्रम में सनम जांगड़े ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्राधिकरण का फंड अब 75 लाख हो चुका है, जिससे विकास कार्यों को गति मिलेगी। केरा बाई मनहर ने मंत्री से सारंगढ़ को 'गोद' लेने और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का आग्रह किया। वहीं हरिनाथ खूंटे ने इस मंच को समाज को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

इस अवसर पर समाज के हजारों लोग, प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सफल कार्यक्रम के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

मंच में उपस्थित रहे,अजय कोसले, बीड़ी भारद्वाज,देवेंद्र रात्रे, रोहित महिलाने, सुखराम अनन्त,सतीश अजय,हितेश अजगले,रमेश खूंटे, अन्य रहे

संक्षिप्त-खबर

खेमराज अग्रवाल विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने खेमराज अग्रवाल पिता जयपाल अग्रवाल निवासी- भगत देवरी, विकासखंड -पिथौरा, जिला- महासमुंद (छ.ग.) को उनके सक्रिय सामाजिक भागीदारी, जनहित कार्यों में रूचि को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा बसना क्षेत्रांतर्गत के भगतदेवरी हेतु विधायक प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया है।

उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ अपेक्षा की गयी है कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को संज्ञान में लेकर अपनी सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

उनके नियुक्त से भाजपा के वरिष्ठ नेता शंकर अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, सतपाल सिंह छाबड़ा,देवेश निषाद, सुमित अग्रवाल,उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे, स्वप्निल तिवारी, मुरारी अग्रवाल,सौरव अग्रवाल,ब्रह्मा पटेल, विक्की छाबड़ा,आशीष शर्मा, हरकूमार अंबू पटेल,विमला बेहरा,मुन्नू पाण्डे,मनोज बारीक,सोनू छाबड़ा, गोविंद साहू, हेमंत ठाकुर,सतीश ध्रुव, अभिमन्यु प्रधान, अजय पटेल,धर्मेंद्र पटेल,गणेश पटेल,सोहन पटेल,माधव रात्रे सहित बसना पिथौरा सांकरा देवरी के वरिष्ठ जनों तथा सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बधाई व शुभकामनाएं दीं हैं।

छत्तीसगढ़ के स्कूल बनते जा रहे हिंसा के अड्डे : विशु अजमानी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में हाल के दिनों में स्कूली बच्चों से जुड़ी लगातार सामने आ रही हिंसक घटनाओं ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, सामाजिक माहौल और शिक्षा परिसरों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल, जिन्हें बच्चों के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की नींव माना जाता है, अब असुरक्षा और भय के केंद्र बनते नजर आ रहे हैं।

राजनांदगांव जिले में एक स्कूली छात्र पर दिनदहाड़े धारदार हथियार से हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के बाद अभिभावकों में गहरा आक्रोश और चिंता का माहौल है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब बच्चे स्कूल जाते समय और लौटते वक्त भी सुरक्षित नहीं हैं, तो उनकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है, इसी बीच राजधानी रायपुर के आत्मानंद स्कूल में एक छात्र के पास चाकू मिलने की घटना ने हालात की गंभीरता को और उजागर कर दिया है। स्कूल परिसर के भीतर इस तरह की घटनाएं सामने आना यह दर्शाता है कि सुरक्षा व्यवस्था कहीं न कहीं पूरी तरह विफल हो चुकी है। यह मामला केवल एक स्कूल या एक छात्र तक सीमित नहीं बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के लिए चेतावनी है। इन घटनाओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव विशु अजमानी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह केवल स्कूलों में सुरक्षा की कमी का मामला नहीं है, बल्कि प्रदेश में लगातार बढ़ रहे नशे, हिंसा और सरकार की नीतिगत लापरवाही का सीधा परिणाम है। श्री अजमानी ने कहा बच्चों के हाथों में किताबों की जगह हथियार नजर आना बेहद खतरनाक संकेत है। यह साफ दर्शाता है कि प्रदेश में बच्चों को मिलने वाला सामाजिक और मानसिक वातावरण तेजी से बिगड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार आंख मूंदकर बैठी है और इसका खामियाजा मासूम बच्चे भुगत रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को इन घटनाओं को अलग-थलग मामलों के रूप में देखने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह आने वाले समय के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और भयावह हो सकते हैं। प्रदेश सचिव विशु अजमानी ने सरकार से मांग की कि प्रदेश के सभी स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल सुदृढ़ किया जाए, नशे के खिलाफप्रभावी, निरंतर और जमीनी स्तर पर अभियान चलाया जाए, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में अरेकेल के छात्र डिमेश देवांगन ने जिले में आया प्रथम

हेमिका देवांगन भी विकास खंड स्तर में द्वितीय स्थान प्राप्त की

बसना (समय दर्शन)। भावी पीढ़ी में राष्ट्रवाद,नैतिक जीवन शैली,प्राचीन ज्ञान के प्रति सम्मान पैदा करने,भारतीय संस्कृति, इतिहास,परंपरा और संतों के विचारों को जोड़ने के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल के कक्षा सातवीं वर्ग में छात्र डिमेश देवांगन ने पूरे जिले में प्रथम स्थान एवं हेमिका देवांगन ने विकासखंड स्तर में सातवीं वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर मुख्य अतिथि सरला कोसरिया,रामचंद्र अग्रवाल,पीआर वर्मा,भरत साहू,जितेन्द्र भोई द्वारा प्रमाण पत्र,प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विज्ञान शिक्षक एवं विद्यालय के परीक्षा प्रभारी शिक्षक प्रेमचन्द साव ने कहा कि- यह परीक्षा छात्रों में जिम्मेदारी, अनुशासन,भारतीय संस्कृति,ज्ञान और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है।यह परीक्षा छात्रों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न कर,आत्म-अनुशासन, महापुरुषों के प्रति सम्मान और मानसिक शुद्धि को प्रोत्साहित करती है साथ ही साथ सनातन संस्कृति से जोड़कर उन्हें एक उत्तम नागरिक बनाने का कार्य करता है।

पुरस्कार प्राप्त होने पर छात्र छात्राएं काफी खुश नजर आए।अपनी सफलता का श्रेय डिमेश देवांगन व हेमिका देवांगन ने विज्ञान शिक्षक प्रेमचन्द साव,प्रधान पाठक हीराधर साव सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं,माता-पिता और विद्यालय के भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा प्रणाली व अध्ययन अध्यापन को दिया।

विधायक सम्पत अग्रवाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो वायरल, भाजपा कार्यकर्ताओं ने दर्ज कराई FIR

लोकप्रिय विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल को बदनाम करने की कोशिश से आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं ने घेरे थाने

पिथौरा(समय दर्शन)। राजनीति में वैचारिक मतभेद स्वीकार्य हैं, लेकिन जब विरोध नीचता और व्यक्तिगत चरित्र हनन पर उतर आए, तो वह अक्षम्य हो जाता है। बसना विधानसभा के जनप्रिय विधायक सम्पत अग्रवाल की स्वच्छ छवि को धूमिल करने और क्षेत्र की शांति भंग करने के लिए रचे गए एक 'फेक न्यूज' के गंदे खेल ने पूरे क्षेत्र में उबाल ला दिया है। एक फर्जी और भ्रामक वीडियो के जरिए समाज में जहर घोलने की इस घिनौनी साजिश के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा है।

आवेदन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया है कि अनावेदक हरीश चंद्र दास ने सोशल मीडिया पर एक सफेद झूठ और मनगढ़ंत वीडियो प्रसारित किया है। इस वीडियो में निहायत ही शर्मनाक दावा किया गया है कि 2 फरवरी 2026 को विधायक सम्पत अग्रवाल ने कलेक्टर के साथ ग्राम पिरदा का दौरा किया और वहां 'कबीर कुटी' की पवित्र भूमि को बेचने या उसकी संपत्ति का बंदरबांट करने की योजना बनाई।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जिस दिन की घटना का दावा आरोपी द्वारा किया जा रहा है, उस दिन विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल कलेक्टर के साथ ग्राम पिरदा में मौजूद ही नहीं थे। यह स्पष्ट करता है कि अनावेदक द्वारा फैलाया गया वीडियो न केवल असत्य है, बल्कि पूरी तरह से आधारहीन और मनगढ़ंत है।सच्चाई तो यह है कि कबीर कुटी की भूमि या उसकी संपत्ति के विषय में विधायक द्वारा कभी कोई बयान नहीं दिया गया और न ही ऐसी किसी कथित योजना से उनका दूर-दूर तक कोई सरोकार है। दरअसल, यह पूरी पटकथा विधायक सम्पत अग्रवाल की बढ़ती जन-लोकप्रियता और उनके निष्कलंक राजनैतिक सफर से ईर्ष्या करने वाले विद्वेषी तत्वों द्वारा रची गई एक सुनियोजित और गहरी साजिश है, जिसका एकमात्र लक्ष्य जनता के बीच भ्रम फैलाना और एक जनसेवक की छवि को खंडित करना है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी शिकायतों में स्पष्ट रूप से कहा है कि अनावेदक महंत हरीश चंद्र दास का उद्देश्य केवल अफवाह फैलाना नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों, जातियों और समुदायों के बीच शत्रुता और नफरत की आग लगाना है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि आरोपी खुद 'तरेकेला' की बेशकीमती भूमि के संबंध में अनुचित लाभ प्राप्त करने की फिराक में है और अपनी इस काली करतूत को छिपाने के लिए विधायक पर कीचड़ उछाल रहा है।

इस कुत्सित प्रयास से आहत और आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे विधायक की प्रतिष्ठा के साथ-साथ पूरे संगठन का अपमान माना है। पिथौरा, सांकरा, बसना और भंवरपुर पुलिस थानों में आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। साक्ष्य के तौर पर पुलिस को वीडियो वाले पेन ड्राइव सौंपे गए हैं।

आक्रोशित कार्यकर्ताओ ने कहा कि हम अपने नेता का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। झूठ के पांव नहीं होते और समाज को बांटने वाली इस ओछी राजनीति का जवाब कानून के जरिए दिया जाएगा।

पुलिस ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी नहीं हुई और कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन चुप नहीं बैठेगा।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी,मंडल अध्यक्ष हलधर साव, महामंत्री मनोज बारीक, महामंत्री झाड़ूराम परमार, विधायक प्रतिनिधि सोनू छाबड़ा, किसान मोर्चा अध्यक्ष गोविंद साहू ,सरपंच लारीपुर हेमंत ठाकुर, सरपंच सांनटेमरी (सांकरा थाना) सतीश कुमार ध्रुव(पिथौरा थाना), पिरदा मण्डल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान (बसना थाना), धर्मेंद्र पटेल (पुलिस चौकी भंवरपुर) पहुंच कर शिकायत दर्ज करवाया है।

मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन की टीम ने पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

रायपुर (समय दर्शन)। मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन के महिला प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय ने अपने संगठन के टीम के साथ रायपुर के प्रथम पुलिस कमिश्नर आयुक्त संजीव शुक्ला से शिष्टाचार भेंट कर एक औपचारिक और सम्मानजनक मुलाकात की है, जिसका उद्देश्य परिचय स्थापित करना, प्रशासनिक सहयोग के साथ मानवाधिकारी न्याय सुरक्षा संगठन के टीम द्वारा तमाम मानवाधिकार के तमाम मुद्दों पर ध्यान आकर्षण करवाने के साथ सहयोग प्रदान करने की बात कही गई है मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय ने संगठन के तरफ से मोमेंटो और साल देकर सम्मान दिया गया सम्मान के साथ साथ नव न्युक्ति पदभार को लेकर संगठन के तरफ से बधाई दी गई

इस शिष्टाचार भेंट में प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय ने संगठन के तरफ से किये जा रहे समाजिक मुद्दों पर समाज के बेहतरी के लिए टीम के द्वारा किये जा रहे पहल पर जानकारी दी है और भविष्य में संगठन समाज के उत्थान और शोषित वर्गों के साथ खड़े रहकर काम करने की जानकारी दी है इस पूरे चर्चा में समाजिक मुद्दों पर मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन के तरफ से किये जा रहे प्रयासों में प्रशासनिक सहयोग की अपेक्षा की बात की गई है

मानवाधिकारी न्याय सुरक्षा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय अपने कार्यकारणी सदस्यों का परिचय कराया नव नियुक्त प्रथम पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मुलाकात करने वाले टीम सदस्य में प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय, रायपुर जिला अध्यक्ष समीक्षा त्रिपाठी, पुरुष विंग जिला अध्यक्ष सुशील बारोलिया, प्रदेश महासचिव जयश्री बारोलिया, प्रदेश महासचिव सोना इंगोले, प्रदेश महासचिव ममता इंगोले, रहे मौजूद

ग्राम बरगा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह श्रद्धा व भक्ति भाव से संपन्न

साजा। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम बरगा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर 8 फरवरी रविवार को भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

सुबह कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-पाठ एवं विधिवत आरती के साथ की गई, जिसमें गुरु रविदास जी के विचारों एवं आदर्शों का स्मरण किया गया। इसके पश्चात शाम से देर रात्रि तक रविदास भजन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें ग्राम एरमशाही (पोस्ट घुरसेना, तह. नवागढ़) से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक श्री भुरवा लहरे द्वारा प्रस्तुत भजनों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। भजनों के माध्यम से गुरु रविदास जी के संदेश—समता, सत्य, प्रेम और मानवता—को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसमें सरपंच नन्दकुमारी ठाकुर, उपसरपंच पुन्नी कमलेश साहू , पूर्व सरपंच बल्लुनोहर पाल, पूर्व सरपंच लच्छीराम साहू, सहित पंचगण उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति, युवक-युवतियों एवं ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा जिसमें पंचराम, प्यारेलाल, गणेश कुमार, भुखन, भुवन, केजूराम, बेदराम, नन्दकुमार, श्रवण लहरे, गिरजा, गंगासागर, संजय, पूरन, दिनदयाल, विनोद, नूतेन्द्र, संजय, गोदावरी सम्मिलित थे। कार्यक्रम के अंत में आयोजक समिति द्वारा सभी अतिथियों, कलाकारों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे ग्राम बरगा में सामाजिक सद्भावना और भक्ति भाव का सुंदर संदेश प्रसारित हुआ।

अवैध कच्ची शराब का जखीरा बरामद

थाना सांकरा क्षेत्र के ग्राम लोहराकोटा जंगल के नदी किनारे में, अवैध कच्ची महुआ शराब पर की गई छापामार कार्यवाही

अवैध महुआ शराब, थाना सांकरा पुलिस एवं एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स की संयुक्त टीम की बड़ी कार्यवाही

थाना सांकरा क्षेत्र के ग्राम लोहराकोटा जंगल, नदी किनारे में की गई छापामार कार्यवाही

सांकरा (समय दर्शन)। घटना स्थल पर 105 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त की गयी है।

एक नग वाटर पम्प, एक बिना नम्बर स्कूटी व एक नग एप्पल कंपनी का मोबाइल भी जप्त किया गया है। शराब बनाने में प्रयुक्त 08 नग गैस सिलेण्डर, चूल्हा, 08 नग ड्रम, बर्तन व अन्य सामग्री जप्त किया गया है।

तीन आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही दो फरार आरोपियों की पता-तलाश जारी है।

घटना स्थल पर ही लगभग 200 किग्रा महुआ लाहन पास को किया गया नष्ट, जिससे लगभग 600 लीटर महुआ शराब बनाया जा सकता था। थाना सांकरा क्षेत्र के ग्राम लोहराकोटा क्षेत्र के जंगल मे,

नदी किनारे में दबे पांव चल रही थी अवैध महुआ शराब बनाने का काम। मुखबीर की सूचना पर दिनांक 07.2.2026 की शाम 06:00 बजे थाना सांकरा पुलिस एवं एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने किया ग्राम लोहराकोटा के नदी किनारे रेड की गयीकार्यवाही। जिस पर घटना स्थल पर 105 लीटर कच्चा महुआ शराब को जप्त किया गया। साथ ही घटना स्थल मे मौजूद वाटर पम्प, एक बिना नम्बर स्कूटी एवं एक नग एप्पल कंपनी का मोबाइल, अवैध शराब बनाने में उपयोगरत गैस टंकी, चुल्हा, ड्रम, बर्तन व अन्य सामग्रियों को किया गया जप्त। अवैध महुआ शराब बनाने मे शामिल तीन आरोपियो के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत्

अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवखही की जा रही है ।

जप्त सामग्री- (1) 105 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 21,000 रूपये लगभग

(2) एक नग वाटर पम्प,

(3) एक बिना नम्बर स्कूटी,

(4) एक नग एप्पल कंपनी का मोबाइल कीमती 106000 रुपये

(5) शराब बनाने वाले उपकरण- 08 नग गैस टंकी, चुल्हा, 08 नग ड्रम व बर्तन जप्त, कीमती लगभग 39,200 रूपये

कुल जप्ती कीमती 1,66,200 रूपये- गिरफ्तार आरोपी का नाम

01) तेजकुमार डडसेना पिता उदल डडसेना उम्र 28 साल निवासी लोहराकोटा थाना सांकरा जिला महसमुंद

फरार आरोपी- 01) करण चौहान निवासी लोहराकोटा थाना सांकरा जिला महासमुन्द

02) रितेश सिन्हा निवासी ठाकुरदिया थाना पिथौरा जिलामहासमुन्द, पिता बारू कमार उम्र 38 साल निवासी कमारडेरा बनसिवनी थाना व जिला महासमुंद।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26